A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 26 अगस्त, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 346, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या पश्चिम और अमेरिका का इस्लामवाद से मोहभंग हो गया है?

प्रवीण स्वामी

कुछ समय तक, अब्दुर्रहमान अलमौदी बहुत ऊंचाई पर थे। वह दुनिया के सबसे ताकतवर शहर में, ताकतवर लोगों के बीच उठते-बैठते थे। फिर, 2003 में, हीथ्रो एयरपोर्ट पर पुलिस ने उनकी हैंड बैगेज में 3 लाख 40 हजार डॉलर पाए–करीब तीन किलो वज़न के नए, साफ-सुथरे 100 डॉलर के नोट। मुकदमे में अलमौदी ने माना कि यह पैसा लीबिया ने उस समय के सऊदी क्राउन प्रिंस अब्दुल्ला बिन अब्दुलअज़ीज़-अल-सऊद की हत्या के लिए दिया था। AMC हमास और हिज़्बुल्लाह तक पैसे पहुंचा रही थी।

पिछले हफ्ते, लगभग किसी ने ध्यान नहीं दिया जब विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि वह मुस्लिम ब्रदरहुड पर बैन लगाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने इस संगठन को 'गंभीर चिंता' बताया। यह इस्लामी संगठन पहले से ही मिस्र, रूस, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और हाल ही में जॉर्डन में प्रतिबंधित है। लेकिन, ब्रदरहुड उस देश का अहम साथी भी है जिसने हाल ही में राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को बोइंग 747 तोहफे में दिया और जिसके साथ उनके परिवार के गहरे कारोबारी रिश्ते हैं। दशकों से क़तर ने ब्रदरहुड को पूरे मध्य-पूर्व में अपना प्रभाव बढ़ाने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया है। यहां तक कि उसने हमास को मुख्यालय और फंडिंग भी दी। ट्रंप ने 2019 में ब्रदरहुड पर बैन लगाने का वादा किया था, लेकिन वह योजना रेत में खो गई।

ट्रंप के लिए, ब्रदरहुड के खिलाफ कार्रवाई करना एक छोटा लेकिन राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण फायदा हो सकता है। यह उनकी इज़रायल नीतियों की आलोचना करने वाले फ़िलिस्तीन समर्थक संगठनों को बदनाम करने और इस्लामोफोबिया के मुद्दे पर अपने मुख्य श्वेत राष्ट्रवादी समर्थकों को जोड़कर रखने का हथियार है। साथ ही, उनके मुख्य श्वेत राष्ट्रवादी समर्थकों को इस्लामोफोबिया के नाम पर जोड़ देगा। लेकिन इस बैन के नतीजे पूरी दुनिया में फैलेंगे और इस्लामी राजनीति के परिदृश्य को गहराई से प्रभावित करेंगे।

'मुस्लिम ब्रदरहुड' की स्थापना 1928 में स्कूल शिक्षक हसन अल-बन्ना ने की थी, जब मिस्र में औपनिवेशिक विरोधी आंदोलन गति पकड़ रहा था। काहिरा जैसे शहरों में सांस्कृतिक पश्चिमीकरण का विरोध करने में धार्मिक संस्थानों की असफलता से निराश होकर अल-बन्ना ने कॉफी शॉप्स, छोटे मस्जिदों और सड़कों पर धार्मिक पुनर्जागरण का प्रचार किया। उनका कहना था कि मिस्र की आज़ादी केवल शरीया पर आधारित समाज बनाकर ही लाई जा सकती है–लिबरलिज़्म या समाजवाद जैसे आयातित विचारों से नहीं। काहिरा में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों ने यह संदेश इस्लामी दुनिया में फैलाया। जैसे-जैसे ब्रदरहुड की विशेष टुकड़ियां आतंकवाद का इस्तेमाल कर अपने प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने लगीं, अल-बन्ना ने ब्रिटेन और अमेरिका के राजनयिकों से संपर्क साधा और कम्युनिज़्म के खिलाफ संयुक्त मोर्चे का प्रस्ताव दिया। लेकिन यह रिश्ता टिक नहीं सका। मिस्र ने ब्रदरहुड पर बैन लगा दिया और फरवरी 1949 में अल-बन्ना की हत्या गुप्त पुलिस एजेंटों ने कर दी।

1952 की 'मिस्र क्रांति', जिसने राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर और फ्री ऑफिसर्स मूवमेंट को सत्ता में लाया, का ब्रदरहुड ने स्वागत किया। हालांकि, विदेशों में ब्रदरहुड को ऐसे समर्थक मिले जिन्होंने उसे पनाह और संसाधन दिए। मिस्र के इस्लामवादी नेता सईद रमज़ान ने 1953 में एंटी-कम्युनिस्ट मौलवियों के दल के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट आइज़नहावर से मुलाकात की। अगले साल उन्हें जर्मनी में शरण मिल गई। इसके बाद, फ्रांसीसी पत्रकार कैरोलिन फॉरेस्ट ने लिखा है कि रमज़ान पाकिस्तान में दिखाई दिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान ने रमज़ान की एक किताब की भूमिका लिखी और उन्हें राष्ट्रीय रेडियो पर जगह दी। कराची में बसे रमज़ान अबुल अल मौदूदी के भी क़रीब हो गए, जिन्होंने ब्रदरहुड की भारतीय शाखा जमात-ए-इस्लामी की स्थापना की थी। दिलचस्प बात यह है कि मौदूदी के बड़े हिस्से के काम को 'ब्रदरहुड' के साहित्य में हूबहू शामिल किया गया है। फ्रैम्पटन के अनुसार, अल-बन्ना ने खुद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखकर हैदराबाद और कश्मीर के भारत में विलय को इस्लामी भूमि पर कब्ज़ा बताया था।

बाद में, कुछ टिप्पणीकारों ने ब्रदरहुड पर धोखे का आरोप लगाया कि वह खुद को उदारवादी बताता है, लेकिन जिहादी आतंक से संबंध बनाए रखता है। अलमौदी ने सार्वजनिक रूप से हमास और हिज़्बुल्लाह का समर्थन किया और शेख ओमर अब्देल रहमान की रिहाई की मांग की, जो न्यूयॉर्क के स्थलों को उड़ाने की साजिश के लिए जेल में था। अज्ञात कारणों से, अलामौदी ने अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ काम किया ताकि अमेरिकी सेना में मुस्लिमों की धार्मिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए इमामों की भर्ती की जा सके। ब्रदरहुड के धनवान फ्रंट-ऑर्गनाइजेशनों को पश्चिम में फैलाने की नींव अलमौदी और एएमसी के आने से कई दशक पहले रखी गई थी। यूके में रहते हुए, खुर्शीद और उनके ब्रदरहुड के सहयोगियों को 1973 में सऊदी अरब से फंड मिलने शुरू हुए। यह आगे चलकर इस्लामिक काउंसिल ऑफ़ यूरोप (आईसीई) में बदल गया, जो लंदन के आलीशान बेलग्रेविया इलाके से संचालित होता था। 9/11 के बाद, पश्चिमी कूटनीतिक और खुफिया सेवाओं ने ब्रदरहुड के साथ सभी संपर्क तोड़ दिए। लेकिन यह गतिरोध ज्यादा समय तक नहीं चला। लीक हुए कूटनीतिक पत्राचार से पता चलता है, फ्रैम्पटन और एहूद रोसेन लिखते हैं, कि अमेरिकी अधिकारी ब्रदरहुड पर अपने सार्वजनिक बयानों में अधिक आक्रामक थे। साथ ही, उन्होंने तथाकथित मध्यमार्गियों की पहचान करने के प्रयास तेज कर दिए जो हिंसा को खारिज करेंगे और इस तरह भीतर से जिहादी खतरे को कमजोर करेंगे। ब्रदरहुड ने सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन को गिराने की लंबी लड़ाई में भी खुद को एक प्रमुख सहयोगी साबित किया।

मध्य पूर्व में, नए जिहादी समूहों जैसे इस्लामिक स्टेट के उभरने और पश्चिम के लिए अल-कायदा के खतरे के कम होने के साथ, ब्रदरहुड का महत्व घटता हुआ दिखाई दिया है। हालांकि, ब्रदरहुड और उसके नेटवर्क के विचार दुनिया भर में इस्लामवादी आंदोलनों के लिए नींव प्रदान करना जारी रखे हैं, जो वैचारिक प्रचार और फंडिंग की एक विशाल और जटिल प्रणाली को बनाए रखते हैं। ब्रदरहुड और उसके समानांतर संगठनों, जैसे 'जमात-ए-इस्लामी' पर प्रतिबंध लगाना आतंकवाद को समाप्त नहीं करेगा। इस मुद्दे का दुरुपयोग कर पूरे मुस्लिम समुदायों को बदनाम करना–जो ट्रंप के दौर में एक वास्तविक खतरा है–लाखों विश्वासियों को अलग-थलग करने का खतरा है, जो अपने देश के बाकी लोगों की तरह आतंकवाद को नापसंद करते हैं। हालांकि, यह निर्णय इस्लामवाद और पश्चिम के बीच एक जहरीले रोमांस के अंत का संकेत देगा और स्पष्ट करेगा कि नफरत और हिंसा फैलाने वाली विचारधाराओं को लोकतंत्रों में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आतंकवादी, उनके आकाओं को छोड़ते नहीं हैं हम: पीएम मोदी

● जवान पाक में घुसे और 22 मिनट में खेल कर दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर सोमवार को अहमदाबाद पहुंचे थे। खोडलधाम ग्राउंड में जनसभा में उन्होंने कहा- एक समय था जब अहमदाबाद में दंगे होते थे। दिल्ली में बैठी कांग्रेस सरकार कुछ नहीं करती थी। आज हम आतंकवादियों और उनके आकाओं को नहीं छोड़ते।

पीएम ने कहा- आतंकी कहीं भी छिपे हो। दुनिया ने देखा है कि हमने पहलगाम का बदला कैसे लिया। 22 मिनट में खेल कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर, सुदर्शन चक्रधारी मोहन के नेतृत्व में सेना के पराक्रम और भारत की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है।

जनसभा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल,

राज्यपाल देवव्रत आचार्य समेत कई नेता पहुंचे थे। इससे पहले पीएम मोदी ने अहमदाबाद एयरपोर्ट से निकलने के बाद नरोडा से निकोल तक करीब 3 किमी लंबा रोड शो किया।

- **पीएम 5477 करोड़ के विकास कार्यों की शुरुआत हुई-** पीएम करीब 6 बजे खोडलधाम मैदान में अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर के रेलवे, शहरी विकास, सड़क निर्माण और राजस्व समेत विभागों की 5477 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही साबरमती से कटोसन रोड ट्रेन और कार लोडेड ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।
- **मोदी ने कहा- गुजरात दो मोहनों की धरती है-** पीएम मोदी ने कहा- भारत के निर्णयों को देश नहीं, बल्कि दुनिया अनुभव कर रही है। गुजरात की ये धरती दो मोहनों की धरती है। एक हैं सुदर्शन चक्रधारी मोहन, यानी हमारे द्वारकाधीश श्री कृष्ण। दूसरे हैं चरखाधारी मोहन, यानी साबरमती के संत पूज्य बापू। सुदर्शन चक्र पाताल लोक में दुश्मनों को खोजकर उन्हें दंड देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

पीएम मोदी की डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीए की डिग्री सावर्जनिक करने का केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) का आदेश दिल्ली हाईकोर्ट ने पलट दिया है। अब दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) को प्रधानमंत्री की डिग्री नहीं दिखानी होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता ने सुनाया ने सोमवार को डीयू की याचिका पर सुनवाई की। वहीं, फैसले का पूरे आदेश की कॉपी अभी आना बाकी है। सीआईसी ने एक आरटीआई एक्टिविस्ट की याचिका पर दिल्ली यूनिवर्सिटी को 1978 में बीए की परीक्षा पास करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का आदेश दिया था।

मोदी और फिजी के प्रधानमंत्री की अहम मुलाकात

डिफेंस डील समेत हुए ये 7 बड़े समझौते

नईदिल्ली (एजेंसी)। फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका भारत की आधिकारिक यात्रा

पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी आधिकारिक मुलाकात हुई है। 26 अगस्त तक चलने वाली इस यात्रा में राबुका कई अन्य अहम मंत्रियों और उद्योगपतियों के साथ भी बैठक करेंगे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की।

डिफेंस डील समेत 7 बड़े समझौते हुए। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और भविष्य में दोनों देशों की भागीदारी डिफेंस समेत बाकी क्षेत्रों में मजबूत होगी। पीएम मोदी ने फिजी के साथ साझेदारी को बताया अहम वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फिजी वैश्विक दक्षिण विकास प्रक्रिया के मजबूत साझेदार हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन से निपटने में फिजी की हर संभव मदद करेगा।

राहुल गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर साधा निशाना...

कहा-मोदी सरकार वोट चोरी करके सत्ता में आई, उसे युवाओं की चिंता नही

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग की सोमवार को निंदा की। इस शर्मनाक करार दिया। आरोप लगाया कि मोदी सरकार को देश के युवाओं की चिंता नहीं है क्योंकि वह वोट चुराकर सत्ता में आई है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कथित बल प्रयोग की भी निंदा की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि साफ है कि मोदी सरकार को न देश के युवाओं की चिंता है, न उनके भविष्य की। हो भी क्यों? यह सरकार जनता के वोटों से नहीं, बल्कि वोट चुराकर सत्ता में आई है।

एमपी में 4 नए मेडिकल कॉलेज के लिए एमओयू साइन

जेपी नड्डा बोले-पहले हेल्थ पॉलिसी ऐसी थी कि बीमार होने दो, फिर इलाज करो

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केंद्र में सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेज की शुरुआत के लिए एमओयू साइन किए हैं। पीपीपी मॉडल पर धार, बैतूल, पन्ना, कटनी में नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे।

वहीं, श्योपुर और सिंगरौली मेडिकल कॉलेजों का ई-लोकार्पण किया है। श्योपुर में 305 करोड़ और सिंगरौली में 242 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बने हैं। दोनों मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100-100 सीटें मिलीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा की उपस्थिति में प्रदेश में पीपीपी मॉडल के 4 नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय स्थापना संबंधी अनुबंध का आदान प्रदान हुआ।. इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. जेपी नड्डा का डुमना एयरपोर्ट पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि चार मेडिकल कॉलेज को

पीपीपी मोड में प्रारंभ करने वाले हैं। मैं आप सबको बधाई देता हूं। मध्यप्रदेश स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नेतृत्व प्रदान कर रहा है। एक समय में यहां 5 मेडिकल कॉलेज होते थे। अब 17 शासकीय और 13 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज खुले हैं। अब 4 और खुलने जा रहे हैं। स्वास्थ्य के बारे में बहुत चर्चा होती है। सामान्यतः लोगों को स्वास्थ्य के बारे में तभी पता चलता है जब उसके अस्पताल के चक्कर लगते हैं। पहले हेल्थ पॉलिसी ऐसी थी कि बीमार होने दो फिर इलाज करो। 2017 में नई हेल्थ पॉलिसी बनी। यह सभी आयामों को एक साथ जोड़ती थी। हमने पहली बार जोर दिया कि व्यक्ति बीमार ही न हो। इसके तहत हमने काम शुरू किया।

राजस्थान के सीकर में रेल-ट्रैक पर पानी, जयपुर-आगरा हाईवे डूबा

पटना में सड़कों पर पानी, नालंदा में बाढ़, यूपी के चंदौली में बांध टूटा

नई दिल्ली/पटना/लखनऊ। राजस्थान के कई इलाकों में पिछले 2 दिन से भारी बारिश हो रही है। जयपुर, सीकर के कई इलाकों में पानी भर गया है। सीकर रेलवे स्टेशन पर ट्रैक डूब गया। उदयपुर में खेरवाड़ा-झाड़ोल मार्ग एनएच 927 पर सोम नदी का पानी आने से रास्ता बंद है। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर 23 अगस्त से पानी भरा हुआ है। सवाई माधोपुर में बारिश के बाद करीब 50 फीट जमीन धंस गई।

बिहार के पटना में सोमवार सुबह

मूसलाधार बारिश हुई। इससे कुर्जी, पाटलिपुत्र कॉलोनी, पटना जंक्शन, गांधी मैदान, खेतान मार्केट, जेपी गंगा पथ समेत कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया है। वहीं, झारखंड में हो रही बारिश के कारण नालंदा में नदियों का जलस्तर बढ़ने बाढ़ के हालात हैं।

यूपी में बारिश से चंदौली में घाघरा नदी पर बना मुसाहिबपुर बांध अचानक टूट गया। इसका पानी 5 गांवों में घुस गया है। फर्रुखाबाद का भुड़िया भेड़ा गांव गंगा नदी की बाढ़ से टापू बन गया है।

सुप्रभात

पगडंडी ने कहा सड़क से,
जरा ठहर भी जाना।
जल्दी जल्दी में खो बैठी,
तू हरियाला बाना।
कहा सड़क ने तेज़ गति में,
खुशियाँ फिसल गयी।
मुझे रौंद कर कितनी आगे,
दुनिया निकल गयी।
जाने कब से हुआ नहीं है,
गाँव में अपना जाना।
पगडंडी ने कहा सड़क से,
ज़रा ठहर भी जाना।
तारकोल से लिपटी लिपटी,
देह हो गयी काली।
बड़े बड़े पहियों में पिस कर,
बिखरी खून की लाली।
दुर्घटना से भली देर हैं,
कहता भले जमाना।
पगडंडी ने कहा सड़क से,
ज़रा ठहर भी जाना।
तू पगडंडी किस्मत वाली,
गुजरे खेतों मेड़ों से।
मन की बातें तू कह लेती,
रस्ते के भी पेड़ों से।
मेरी किस्मत में तो बस ये,
धूल धुवें का खाना।
पगडंडी ने कहा सड़क से,
ज़रा ठहर भी जाना

– गोविंद गुंजन

भोपाल का तापमान

अधिकतम 35 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 26 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

सुप्रीम कोर्ट ने दिया रणबीर अलाहबादिया को आदेश

दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के लिए वीडियो बनाकर माफी मांगें

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिव्यांगों और दुर्लभ शारीरिक समस्याओं का सामना करने वाले लोगों पर चुटकुले बनाने के लिए इनफ्लूएंसर्स को कड़ी फटकार लगाई है।

कोर्ट ने समय रैना समेत सभी आरोपी सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर पर जुर्माना भी लगाया है। सुनवाई के दौरान समय रैना और दूसरे कॉमेडियन कोर्ट रूम में मौजूद थे। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कोर्ट का बताया कि इन्होंने अपने मजाक के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। एसएमए की ओर से दायर की गई एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च अदालत ने समय रैना, विपुल गोयल और दूसरे कॉमेडियनों पर सख्त टिप्पणी की।

भारत ने पाकिस्तान को दी बाढ़ की चेतावनी, तावी नदी में जलस्तर बढ़ने से बढ़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान को तावी नदी में संभावित बाढ़ के बारे में जानकारी दी है। यह जानकारी एक सद्भावना संकेत के रूप में दी गई है।

हालांकि, दोनों देशों के बीच सिंधु जल संधि अभी भी रुकी हुई है। यह फैसला पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया था। बताया जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को संभावित बाढ़ की जानकारी आधिकारिक सूत्रों के हवाले से दी है। अभी तक भारत या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आमतौर पर, ऐसी जानकारी सिंधु जल आयुक्त के माध्यम से साझा की जाती है।

बुलंदशहर में सड़क हादसे में 9 श्रद्धालुओं की मौत

कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर

बुलंदशहर (एजेंसी)। यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां बेटे सहित 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 42 घायल हैं। इनमें से 3 की हालत नाजुक है।

मृतकों में 6 साल बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ।

अमेरिकी टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर मामूली असर होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर मामूली असर होगा। रिपोर्ट के मुताबिक इसे आखिर में कम भी किया जा सकता है। फिच ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को बीबीबी- पर बरकरार रखा है। भारत के मजबूत आर्थिक विकास और स्टेबल इकोनॉमी ने इस रेटिंग को सपोर्ट किया है। रेटिंग एजेंसी ने वित्तीय वर्ष 2026 (एफबाय 26) में भारत का जीडीपी रेट 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो एफबाय 25 के जैसा है। हालांकि, फिच ने ये भी बताया है कि भारत के बढ़ते फिस्कल डेफिसिट और सरकारी कर्ज का दबाव क्रेडिट वीकनेस का कारण है।

पोस्टर पर मोदी, जय काली मां का नारा, संघ का साथ...

क्या है बीजेपी का बंगाल प्लान?

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य का कई बार दौरा कर चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इसे चुनावी रणनीति कर दिया है। बीजेपी ने ममता बनर्जी को चुनौती देने के लिए एक नई रणनीति बनाई है। इस रणनीति में मोदी को चेहरे के रूप में पेश करना, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ मिलकर काम करना, भ्रष्टाचार पर ध्यान केंद्रित करना और ध्रुवीकरण की राजनीति का उपयोग करना शामिल है। भगवा पार्टी यह सब कुछ ट्रॉयल के आधार पर कर रही है। पश्चिम बंगाल में 2026 अप्रैल-मई में चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री मोदी और उनके प्रमुख सहयोगी अमित शाह ने इस बार पश्चिम बंगाल की रणनीति में बदलाव किया है। बीजेपी की पश्चिम बंगाल के लिए नई रणनीति बदल गई है। आइए नई पश्चिम बंगाल रणनीति योजनाओं के दस प्रमुख विचारों का विश्लेषण करें।

- **ममता से दो दो हाथ करने की तैयारी में बीजेपी-** असल में, बीजेपी में कोई एक ऐसा नेता नहीं है जो ममता बनर्जी को चुनौती दे सके। ममता बनर्जी को टीएमसी में मसीहा माना जाता है। इस चुनाव में अभिषेक बनर्जी का चेहरा ममता बनर्जी की तुलना में कम दिखाई देगा। ममता बनर्जी ही पोस्टर बैनर पर छाई रहने वाली हैं। वहीं ममता की लोकप्रियता को कम करने के लिए बीजेपी ने मोदी को बंगाल में अपने चेहरे के रूप में पेश करने का फैसला किया है।
- **ममता के कद का बंगाल बीजेपी में कोई नेता नहीं-** बीजेपी में कई नेता हैं, जिनमें नए पार्टी अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य भी शामिल हैं। वे एक शहरी, मध्यम वर्ग, धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति माने जाते हैं लेकिन जन नेता नहीं हैं। जबकि टीएमसी से आने के बावजूद, सुवेंदु अधिकारी मेदिनीपुर में एक जिला नेता बनकर रह गए हैं। वे दूसरों के विपरीत, अपने मेहनती काम और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के कारण एक जन नेता हैं।

बंगाल की गारंटी

प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत छवि है। बीजेपी उन्हें बंगाल की गारंटी के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। पुराना नारा 'मोदी है तो मुमकिन है' एक नए बंगाल को बनाने के लिए प्रेरणा का काम करेगा। वहीं अभिषेक बनर्जी का दावा है कि हर बूथ पर वे जीत हासिल करेंगे। बीजेपी के पास पार्टी की संगठनात्मक शक्ति नहीं है। इसलिए, वे बूथों के लिए जिलों में अधिक पैठ बना रहे हैं।

नरोत्तम बोले- अपनी सरकार को कांग्रेसियों ने चूम-चूमकर मार डाला

सिंधिया के तख्तापलट विवाद पर पटवारी ने कहा- कमलनाथ-दिग्विजय की अपनी केमिस्ट्री

भोपाल (नप्र)। मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 22 विधायकों के बीजेपी में शामिल होने के चलते कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी। इस मामले में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ और सिंधिया के बीच मतभेदों को जिम्मेदार बताया।

दिग्विजय के बयान पर कमलनाथ ने एक्स पर जवाब देते हुए लिखा- ज्योतिरादित्य सिंधिया को लगता था कि दिग्विजय सिंह सरकार चला रहे हैं। इसी नाराजगी में उन्होंने कांग्रेस के विधायकों को तोड़ा और हमारी सरकार गिराई।

पटवारी बोले- कमलनाथ-दिग्विजय की अपनी केमिस्ट्री- दिग्विजय के बयान और एक्स पर कमलनाथ की पोस्ट पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- दोनों में 45 साल का प्रेम है। दोनों छोटे भाई-बड़े भाई हैं। पुरानी बातों पर चर्चा करने का औचित्य नहीं है। दोनों की अपनी केमिस्ट्री है। हमें अब भविष्य देखना है। हमारी सरकार कैसे बने यह देखना है।

नरोत्तम ने शेर के जरिए कमलनाथ-दिग्गी पर तंज कसा- दिग्विजय और कमलनाथ के बीच हो रही बयानबाजी पर प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री और बीजेपी के सीनियर लीडर डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने तरन्नुम कानपुरी का शेर पढ़ा। उन्होंने कहा-ऐ काफिले वालों, तुम इतना भी नहीं समझे थे, लूटा है तुम्हें रहजन ने, रहबर के इशारे पर...।

बच्चा रूपी सरकार को कांग्रेसियों ने चूम-चूम कर मार डाला- नरोत्तम मिश्रा ने कहा- काफिला क्यों लुटा था, कौन दोषी है, अब यह सामने आ गया है। कांग्रेस को बुढ़ापे में बच्चा रूपी सरकार हुई थी। इन्होंने उसे चूम-चूम कर ही मार डाला। हम तो पहले से कहते थे कि कमलनाथ नहीं दिग्विजय सिंह सरकार चला रहे थे। यही कारण था सरकार गिरने का। नरोत्तम ने कहा-यह बात कमलनाथ के मंत्री उमंग सिंघार ने भी उस वक्त कही, लेकिन कमलनाथ की आंखों पर दिग्विजय ने पट्टी बांध रखी थी और आज कमलनाथ को सच्चाई याद आ रही है।

मंत्री सारंग बोले- कांग्रेस में स्थितियां बद् से बदतर हो रहीं- कमलनाथ के ट्वीट पर खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा- गुटों और गिरोह में बंटी हुई कांग्रेस में स्थितियां बद से बदतर हो रही हैं। कमलनाथ सरकार के तत्कालीन मंत्री (जो आज नेता प्रतिपक्ष हैं) ने भी उस समय कई आरोप लगाए थे। कमलनाथ के ट्वीट के बाद जनता चाहती है कि वह खुलासा करें कि उनकी सरकार कौन चलाता था।

कमलनाथ और दिग्विजय आज भी लड़ रहे- बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- कमलनाथ, दिग्विजय सिंह कल भी लड़ रहे थे आज भी लड़ रहे हैं। अब पछताए होत का, जब चिड़िया चुग गई खेत।

कमलनाथ बताएं, सुपर सीएम दिग्विजय ने भ्रष्टाचारी फैसले कराए

नरोत्तम ने कहा- कमलनाथ जी जब आप सच की राह पर चल ही दिए हैं तो लगे हाथ यह भी बता दें कि डेढ़ साल की सरकार में सुपर सीएम दिग्विजय सिंह ने आपसे भ्रष्टाचारी फैसले करवाए। नहीं तो जनता यह मान लेगी कि आप दोनों एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़कर सबको गुमराह कर रहे हैं। असलियत यही है कि आप दोनों के सच ने बता दिया है कि कांग्रेस की नाव जो डूबी उसे कप्तान ने ही छेदकर डुबाया था।

पंचायतों के काम में कसावट लाने की तैयारी

डायरेक्टर बोले- 'हनुमान जी की तरह होते हैं सरपंच, इन्हें अपनी शक्तियों का अंदाजा नहीं'

भोपाल (नप्र)। पंचायतों के कामकाज को और बेहतर, पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए पंचायत राज संचालनालय मध्य प्रदेश की एक कार्यशाला सोमवार को विकास भवन में आयोजित की गई। विभाग के डायरेक्टर छोटे सिंह ने कहा कि मैं सरपंचों को हनुमानजी की तरह देखता हूं, जिन्हें अपनी शक्तियों का अंदाजा ही नहीं है। कार्यशाला के माध्यम से हम सरपंचों की उन्हीं शक्तियों को याद दिला रहे हैं।

कार्यशाला में 52 जिलों के जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, टॉप और सबसे कम रैंक वाली पंचायतों के सरपंच समेत कुल 536 लोग शामिल हुए। इनमें पंचायत सचिव, सहायक सचिव और 16 विभागों के नोडल अधिकारी भी शामिल रहे। इसके साथ ही प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग दीपाली रस्तोगी ने अच्छे काम करने वाले सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायकों को सम्मानित किया।

समस्याएं गांव में ही हल कराएं: दीपाली रस्तोगी- प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी ने कहा कि सरपंच एवं अधिकारी पंचायती राज की भावना को सशक्त बनाएं। गांव की समस्याओं का समाधान गांव में बैठकर ही करें। ग्रामसभा की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करें और गांव के विकास से संबंधित निर्णय सामूहिक रूप से लें।उन्होंने कहा, हमारा देश गांवों में बसता है। शासन से मिलने वाली राशि का पारदर्शी और ईमानदार उपयोग सुनिश्चित करें।

17 विकास लक्ष्यों को पूरा करना लक्ष्य, पीएआई एप का महत्व समझें

डायरेक्टर छोटे सिंह ने पीएआई एप के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा, पीएआई को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर उतारने की जरूरत है। ग्रामसभा की बैठकें पंचायती शासन का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं। ग्राम पंचायतों और जनपदों के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी 17 सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करना है। पाई पोर्टल पर देश की सभी ग्राम पंचायतों के विकास का स्कोर जारी किया जाता है। पाई एप पर देश की सभी ग्राम पंचायतों का स्कोर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

पोर्टल से गांवों में सरपंचों का प्रभाव बढ़ेगा

सिंह ने कहा पाई पोर्टल खासतौर पर पंचायतों के लिए उपयोगी है। पहले सरपंच चुनकर आते थे। उन्हें 5 लाख रुपए का सालाना बजट मिलता था। गांव के रसूखदार सरपंच से कहते थे कि पहले हमारी गली का विकास कराया जाए, लेकिन अब अलग-अलग थीम जैसे गरीबी, स्वच्छ जल, स्वास्थ्य, बच्चों का विकास, अक्षय ऊर्जा आदि के आधार पर गांव का स्कोर दिखेगा तो पंचायत इस आधार पर बेहतर निर्णय ले पाएगी। जहां जरूरत होगी वहां पैसा खर्च कर पाएगी।

धूमधाम से मनाया बाबा रामदेव का जन्मोत्सव

कोलार में दो दिवसीय उत्सव का समापन ; कलश यात्रा और भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

भोपाल (नप्र)। कोलार स्थित राजहर्ष कॉलोनी के बाबा रामदेव दरबार मंदिर में सोमवार को दो दिवसीय बाबा रामदेव जन्मोत्सव का समापन भव्य कलश यात्रा और विशाल भंडारे के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं ने हाथों में कलश लेकर यात्रा में भाग लिया तो वहीं भजन-कीर्तन और भक्तिरस में सराबोर श्रद्धालु झूमते नजर आए।

कार्यक्रम का आयोजन बाबा रामदेव दरबार मंदिर रुणिचा धाम सेवा समिति भोपाल की ओर से किया गया था। पुजारी राजेश गुरु ने बताया कि पहले दिन रविवार की शाम सात बजे से भजन-कीर्तन और जागरण का आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने बाबा के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। सोमवार सुबह नौ बजे बैंडबाजे के साथ कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से निकली, जो

विभिन्न मार्गों से होते हुए नयापुरा स्थित बीजासेन मंदिर पहुंची और वापस दरबार मंदिर आकर संपन्न हुई। इसके बाद महाआरती, भजन और कन्या भोज हुआ। अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। दो दिवसीय बाबा रामदेव जन्मोत्सव का समापन भव्य कलश यात्रा और विशाल भंडारे के साथ हुआ।

नीतीश सरकार ने की ठोस व्यवस्था अब

- बिहार के लाखों राशन कार्ड धारको की बल्ले- बल्ले, नहीं होगी गड़बड़ी

पटना(एजेंसी)। बिहार सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राशन अभिलेखों का डिजिटलीकरण एवं आधुनिकीकरण किए जाने से अब राशन कार्ड धारियों के अभिलेखों का रख-रखाव पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली से किया जाएगा। इससे लाभार्थियों को समय पर खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा विभागीय नियंत्रण व्यवस्था और मजबूत बनेगी। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की इस पहल से जहां भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर रोक लगेगी, वहीं उपभोक्ताओं के अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य भर की सभी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानें अब सप्ताह में हर सोमवार बंद रहेंगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय पर्व एवं प्रमुख त्योहारों के अवसर पर भी दुकानें बंद रहेंगी। इन विशेष अवसरों पर दुकानों के बंद रहने की अनुमति होगी ।

मुंबई में विधायक अमीत साटम संभालेंगे बीजेपी की कमान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र बीजेपी ने विधायक अमीत साटम (49) को मुंबई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य ईकाई के अध्यक्ष रवींद्र च्वहाण और मौजूदा मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार की मौजूदगी में अमित साटम के नाम का ऐलान किया। इस मौके पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखकर बावनकुले भी मौजूद रहे। अमित साटम मुंबई की अंधेरी वेस्ट सीट से पिछले चुनावे में लगातर तीसरी बार जीते थे।

'प्रेमानंद एक अक्षर संस्कृत बोलकर दिखाएं'

- रामभद्राचार्य के इस बयान पर ब्रज के संत नाराज, बोले- उन्हें अहंकार, भक्ति का भाषा से क्या लेना-देना

मथुरा (एजेंसी)। अगर प्रेमानंद महाराज में चमत्कार है, तो वे मेरे सामने एक अक्षर संस्कृत का बोलकर दिखाएं। मेरे द्वारा कहे गए किसी भी श्लोक का अर्थ समझाएं। उनकी लोकप्रियता क्षणभंगुर है। प्रेमानंद बालक के समान हैं।

तुलसी पीठाधीश्वर पद्म विभूषण जगदुरु रामभद्राचार्य महाराज के इस बयान पर साधु-संतों में नाराजगी है। साधक मधुसूदन दास कहना है कि रामभद्राचार्य को अपने ज्ञान का अहंकार हो गया है। प्रेमानंद महाराज जैसे दिव्य संत के बारे में ऐसी टिप्पणी निंदनीय है। मधुसूदन दास के मुताबिक, भक्ति का भाषा से कोई मतलब नहीं है। कोई चाइनीज आ जाए वह कहे चाइनीज आती है।

स्कूल भर्ती घोटाले में टीएमसी विधायक गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। बुरवान विधानसभा क्षेत्र के विधायक जीबन कृष्ण साहा को पीएमएलए के तहत एजेंसी के साथ सहयोग न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को स्कूल भर्ती घोटाले मामले में टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम रेड के लिए पहुंची थी, लेकिन विधायक को इसकी जानकारी मिल गई। वे रेड के पहले दीवार फांदकर भागने की कोशिश करने लगे। इस दौरान साहा ने मोबाइल फोन भी नाले में फेंक दिया, जिसे ईडी ने बरामद कर लिया है।

अमित शाह बोले- विपक्ष जेल को सीएम-पीएम हाउस बनाना चाहता है

- राहुल ने संसद में लालू को बचाने वाला अध्यादेश फाड़ा था, सरकार गई तो सुर बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक पर विपक्ष के विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा, क्या कोई मुख्यमंत्री (सीएम), प्रधानमंत्री (पीएम) या मंत्री जेल से सरकार चला सकता है। वे चाहते हैं कि उन्हें जेल से सरकार चलाने का विकल्प मिले। न्यूज एजेंसी के इंटरव्यू में शाह ने जगदीप धनखड़ का इस्तीफा, खुद की गिरफ्तारी, संसद में विपक्ष के विरोध पर चर्चा की।

उन्होंने कहा, कभी देश का प्रधानमंत्री जेल जाए तो क्या जेल से प्रधानमंत्री सरकार चलाए, वो क्या ठीक है? कोई मुख्यमंत्री जेल से शासन चलाए, ये क्या ठीक है? जिस भी दल का बहुमत है, उसका कोई अन्य व्यक्ति आकर शासन चलाएगा।

आपकी बेल हो जाए तो आप फिर पद संभाल लीजिए। दरअसल, केंद्र ने 20 अगस्त को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में पेश किया। इसमें प्रावधान है कि कोई प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को गिरफ्तारी या 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद छोड़ना होगा। शर्त यह है कि जिस अपराध के लिए हिरासत या गिरफ्तारी हुई है, उसमें 5 साल या ज्यादा की सजा का प्रावधान हो। विपक्ष इसका विरोध कर रहा है।

- **राहुल ने लालू को बचाने अध्यादेश क्यों फाड़ा-** लालू यादव को बचाने के लिए मनमोहन सिंह सरकार अध्यादेश लाई थी। उसे राहुल गांधी ने क्यों फाड़ा, क्या औचित्य था? अगर उस दिन नैतिकता थी तो क्या आज नहीं है, क्योंकि आप लगातार तीन चुनाव हार चुके हैं। दरअसल, 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने राजनीति में अपराधियों की एंट्री रोकने के लिए एक फैसला सुनाया था। इसमें 2 साल या उससे अधिक की सजा पाने वाले राजनेताओं की सदस्यता रद्द और 6 साल ज्यादा वक्त तक चुनाव न लड़ने का फैसला सुनाया गया था। मनमोहन सरकार ने फैसले के खिलाफ अध्यादेश लाई। इसी दौरान राहुल ने सड़क पर ही अध्यादेश फाड़ने की बात कही।
- **मुझे गिरफ्तार किया गया, लेकिन मैंने पद नहीं लिया-** मुझ पर आरोप लगने पर जैसे ही सीबीआई ने समन दिया, मैंने दूसरे ही दिन इस्तीफा दे दिया। अरेस्ट तो मैं बाद में हुआ था। बाद में केस चला, फैसला भी आया, जिसमें कहा गया कि पॉलिटिकल वेंडेटा (राजनीतिक बदले के लिए) का केस था। मैं पूर्णतया निर्दोष हूं।

आयशर भोपाल का 12वां दीक्षांत समारोह

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने छात्रों से कहा - 'देश छोड़कर मत जाना, ज्ञान और कौशल सेवा में लगाना'

भोपाल (नप्र)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आयशर) भोपाल के 12वें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छात्रों से भावुक अपील की कि वे देश छोड़कर बाहर न जाएं, बल्कि अपने ज्ञान और कौशल को भारत की प्रगति में लगाएं। इस दौरान 423 छात्र-छात्राओं को स्नातक की डिग्री प्रदान की गई।

समारोह में संस्थान की नई इनोवेशन मैगजीन और ब्रॉशर का विमोचन हुआ तथा रिसर्च और स्टार्टअप उपलब्धियों का विस्तृत ब्योरा भी दिया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और आयशर चेयरपर्सन प्रो. अरविंद आनंद नाटू विशेष रूप से मौजूद रहे।

छात्रों को मिला विशेष सम्मान- इस वर्ष बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्र कौशिक मेहंदी को प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। शैक्षणिक प्रदर्शन, नेतृत्व कौशल और योगदान के आधार पर उन्हें डायरेक्टर गोल्ड मेडल के लिए भी चुना गया। इसके अलावा संस्थान ने बेस्ट एकेडमिक परफॉर्मेंस की सूची घोषित की, जिसमें वरुण अजीत नायर, आशीष शुक्ला, देवाशीष तिवारी, कौशिक मेहंदी, महेश और अगम दीप सिंह समेत अन्य छात्रों के नाम शामिल हैं। 423 छात्र-छात्राओं ने स्नातक किया, इनमें 227 बीएसएमएस, 51 बीएस, 56 एमएस और 89 पीएचडी शामिल हैं।

423 छात्र-छात्राएं स्नातक हुए- संस्थान के डायरेक्टर प्रो. गोवर्धन दास ने बताया कि इस बार कुल 423 छात्र-छात्राओं ने स्नातक किया। इनमें 227 बीएसएमएस, 51 बीएस, 56 एमएस और 89 पीएचडी शामिल हैं। उन्होंने स्नातकों को भविष्य के इनोवेटर्स और लीडर्स बताते हुए कहा कि आयशर ने बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहन दिया है और अब नेचुरल साइंसेस के साथ सोशल साइंसेस, ह्यूमैनिटीज और इंजीनियरिंग पर भी काम कर रहा है।

इस सत्र से नए पाठ्यक्रम शुरू- प्रो. दास ने यह भी बताया कि इस सत्र से संस्थान में बीटेक और एमए (लिबरल आर्ट्स) कोर्स भी शुरू किए गए हैं। आईआईएसईआर भोपाल की छात्र संख्या लगभग तीन हजार के करीब पहुंच चुकी है और इनमें लगभग 35 प्रतिशत विद्यार्थी महिलाएं हैं। यह संस्थान के लिए गर्व का विषय है और आने वाले वर्षों में इसे और बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

340 करोड़ का अनुदान मिला

प्रो. दास ने संस्थान की रिसर्च बेस्ड उपलब्धियों का विस्तृत ब्योरा देते हुए कहा कि अब तक आयशर भोपाल के 847 प्रोजेक्ट्स राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय 45 एजेंसियों से फंडेड हुए हैं। संस्थान को कुल मिलाकर करीब 340 करोड़ रुपए का अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ है।

मंत्री नहीं, मामा बनकर आया हूं

समारोह को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आयशर का परिसर देखकर उन्हें दिव्यता का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा - नाटू साहब ने मेरा परिचय मंत्री के रूप में दिया, लेकिन मैं यहां मामा बनकर आया हूं। चौहान ने छात्रों से कहा कि भारत की पुरानी विद्वता आज भी हमें ज्ञान का प्रकाश देती है और नए शोधकर्ताओं का कर्तव्य है कि वे इस विरासत को आगे बढ़ाएं।उन्होंने कहा- देश छोड़कर मत जाना, असली सुख तब है जब आपका ज्ञान अपने देश और समाज के काम आए।

किसानों के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग

उन्होंने छोटे और संसाधन सीमित किसानों के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग पर जोर दिया। जिसमें मधुमक्खी पालन, पशुपालन और विविध फसल प्रबंधन कर किसान अपनी आमदनी बढ़ा सकें। चौहान ने छात्र-उद्यमियों से कहा कि यदि उनके पास प्रोजेक्ट हैं तो वे भोपाल में उपलब्ध हैं; और यदि वे दिल्ली में हैं तो संपर्क कर सकते हैं। वे दोनों जगहों पर सहायता के लिए तत्पर हैं।

दीक्षांत का अर्थ दीक्षा का अंत नहीं

दीक्षांत समारोह के अंत में प्रो. दास और अतिथियों ने स्नातकों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी याद दिलाई। उन्होंने कहा कि दीक्षा का अर्थ अध्ययन का अंत नहीं, बल्कि प्रारम्भ है। अब ज्ञान के साथ कौशल है और उसका प्रयोग समाज के उत्थान के लिए होना चाहिए।

पाँचवें शांति-गया स्मृति सम्मान घोषित

भोपाल। साहित्य, कला और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए, शांति- गया स्मृति साहित्य, कला एवं खेल संवर्द्धन समिति ने अपने पाँचवें शांति-गया स्मृति सम्मान की घोषणा की है। इस वर्ष बड़ी संख्या में प्राप्त प्रविष्टियों ने यह साबित कर दिया है कि इन तीनों क्षेत्रों में आज भी नई ऊर्जा और रचनात्मकता भरी हुई है।

गहन मूल्यांकन के बाद, समिति ने चयनित नामों की घोषणा की है, जो इस प्रकार हैः साहित्य विधा के अंतर्गत शांति-गया स्मृति शिखर सम्मानः प्रख्यात साहित्यकार डॉ. अखिलेश पलारिया (राजस्थान), नैली राजेश सिंह स्मृति कहानी सम्मानः सुषमा मुनींद्र, अजय सिंह राणा (विशेष सम्मान), नैली राजेश सिंह स्मृति कविता सम्मानः आशीष दशोत्तर (रतलाम), अनूप श्रीवास्तव स्मृति व्यंग्य सम्मानः प्रभाशंकर उपाध्याय व अजय अनुरागी, तथा सुनील सक्सेना (विशेष सम्मान)। कला विधा के तहत फोटोग्राफीः दिनेश मवार। तथा दुर्गा उन्हाले (देवी आर्ट्स)। खेल विधा में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ीः सुबोध खांडेकर, खेल समीक्षकः आत्माराम भाटी। यह जानकारी समिति के संयोजक अरूण अर्णव खरे ने दी।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी श्री हरिभाऊ उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार श्री हरिभाऊ उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के गौरव, स्वतंत्रता सेनानी श्री उपाध्याय का साहित्य के साथ मातृभूमि की सेवा के लिए समर्पण वंदनीय है। उल्लेखनीय है कि श्री उपाध्याय ने 'बापू के आश्रम में, ' सर्वोदय की बुनियाद जैसी कृतियों से साहित्य को समृद्ध किया।

वायब्रेंट ग्राम सभा -ग्रामीण विकास की नई दिशा : मंत्री श्री पटेल

भोपाल (नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में वायब्रेंट ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम सभा केवल औपचारिकता न होकर गाँव की वास्तविक सरकार है, जो जनता के बीच बैठकर उनके लिए निर्णय लेती है। इस दृष्टि से प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभाओं को नियमित, सुव्यवस्थित और सहभागितापूर्ण बनाने के लिये विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की जवाबदेही होगी सुनिश्चित- निर्देशों के अनुसारप्रत्येक ग्राम सभा में विकास कार्यों की समीक्षा और अनुमोदन अनिवार्य होगा। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति से योजनाओं की जवाबदेही सुनिश्चित होगी। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से योजनाओं के चयन और क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी। सभी बैठकों का ऑनलाइन पंजीकरण और मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है।

ग्रामीण अंचलों में विकास कार्यों को मिलेगी गति- मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश ग्रामीण विकास की दिशा में नए आयाम स्थापित कर रहा है। वायब्रेंट ग्राम सभा इस दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जो गाँव-गाँव में लोकतंत्र को सशक्त कर रही है। श्री पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल ग्रामीण अंचलों में विकास कार्यों को गति प्रदान करेगी और आत्मनिर्भर ग्राम की दिशा में ठोस कदम साबित होगी।

गो-डॉउन में ही उपार्जन केन्द्र बनाने को दी जायेगी प्राथमिकता : अपर मुख्य सचिव खाद्य श्रीमती शमी

प्रोक्योरमेंट रिफार्म पर हुई स्टेट लेवल वर्कशॉप

भोपाल (नप्र)। गो-डॉउन में ही उपार्जन केन्द्र बनाने को प्राथमिकता दी जायेगी। जिससे उपार्जित अनाज के परिवहन में लगने वाला खर्च बच सके। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने यह बात प्रोक्योरमेंट रिफार्म पर हुई स्टेट लेवल वर्कशॉप में कही। वर्कशॉप कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुई। वर्कशॉप में भारत सरकार के अपर मुख्य सचिव एवं वित्तीय सलाहकार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री संजीव शंकर, भारत सरकार में संयुक्त सचिव सुश्री सी. शिखा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव श्रीमती शमी ने कहा कि गत रबी सीजन में लगभग 9 लाख किसानों से 77 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन किया गया और लगभग 20 हजार करोड़ रूपये किसानों के खाते में अंतरित किये गये। गेहूं के उपार्जन में राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल का बोनस दिया गया है। इसी तरह लगभग 6 लाख 50 हजार किसानों से 43.5 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। उपार्जन के लिये किसानों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में आधार नम्बर को भी जोड़ा गया है। उपार्जन केन्द्रों से ही मिलर्स को धान देने का प्रावधान किया गया है। उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। पीडीएस दुकानों में अनाज ले जाने वाले वाहनों की सघन मॉनिटरिंग की जाती है। प्रदेश में उचित मूल्य की दुकानों को जन पोषण केन्द्र के रूप में विकसित करने की भी योजना है। वर्तमान में इंदौर में यह कार्य शुरू कर दिया गया है। उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न लेने वाले उपभोक्ताओं की ई-केवायसी कराई जा रही है। ई-केवायसी के बाद अपात्र लोगों को बाहर किया गया है और लगभग 5 लाख 70 हजार नये उपभोक्ताओं को सूची में जोड़ा गया है।

वर्कशॉप में भारत सरकार के अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति श्री संजीव शंकर ने आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्कशॉप में उपस्थित अधिकारी अपने सुझाव जरूर दें। श्री शंकर ने कहा कि उपार्जन की प्रक्रिया को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है, इस संबंध में गहन विमर्श किया जायेगा। भारत सरकार की संयुक्त सचिव पॉलिसी एण्ड एफसीआई सुश्री सी. शिखा ने बिलिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सब्सिडी की जानकारी प्रतिमाह भेजें। उन्होंने मध्यप्रदेश की गुड प्रेक्टिसेस के बारे में भी जानकरी दी और विभाग की कार्यप्रणाली की सराहना की।

जनरल मैनेजर एफसीआई श्री विशेष गढ़पाले ने प्रोक्योरमेंट सेंटर सेल्फ असेसमेंट प्रोग्राम (पीसीएसएपी) के बारे में जानकारी दी। आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा ने गेहूं और धान के उपार्जन के संबंध में बनाये गये एक्शन प्लान की जानकारी दी। उन्होंने उपार्जन प्रक्रिया के सरलीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। एमडी नागरिक आपूर्ति निगम श्री अनुराग वर्मा ने उपार्जन और भंडारण की प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। श्री अश्विनी गुप्ता ने फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। अन्य उपस्थित अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

इंदौर में महिला की झोपड़ी से 48 लाख कैश मिला

1 करोड़ की ब्राउनशुगर जब्त, छापे के दौरान झड़प; नोट गिनने लानी पड़ी मशीन

इंदौर (नप्र)। हिस्ट्रीशीटर महिला को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान झड़प भी हो गई। हालात को संभालने के लिए स्थानीय थाने से अतिरिक्त फोर्स बुलानी पड़ी।

इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में लंबे समय से नशे का अवैध कारोबार करने वाली हिस्ट्रीशीटर महिला को क्राइम ब्रांच ने रविवार शाम को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान महिला के परिजन की पुलिस से झड़प भी हो गई। हालात को संभालने के लिए स्थानीय थाने से अतिरिक्त फोर्स बुलानी पड़ी।

आरोपी सीमा नाथ (32) पति महेश टोपी पर पुलिस की नजर में काफी समय से थी। वह लगातार ठिकाने बदल रही थी। रविवार को मुखबिर से मिली सूचना पर क्राइम ब्रांच ने 3 टीमें बनाकर महिला बल के साथ उसकी झोपड़ी पर दबिश दी और उसे रंगे हाथों गिरफ्तार किया। झोपड़ी से 516 ग्राम ब्राउन शुगर (कीमत करीब 1 करोड़ रुपए) और 48 लाख 50 हजार कैश जब्त गया है।

पुलिस देर रात तक नोट गिनती रही- छापेमारी के दौरान घर में रखी लोहे की कोठियों से 500, 200 और 100 रुपए के नोटों की गड्डियां मिलीं, जिन्हें कपड़ों के बीच छिपाकर रखा गया था। देर रात तक पुलिसकर्मी नोटों की गिनती करते रहे। पुलिस को नोट गिनने के लिए मशीन मंगानी पड़ी। जानकारी के अनुसार ये रकम 48 लाख रुपए से ज्यादा है। पुलिस का अनुमान है कि यह पैसा नशे के अवैध कारोबार से कमाया गया है।

सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदती थी, फिर बेचती थी- हिस्ट्रीशीटर सीमा की झोपड़ी से नशीले पदार्थ को तौलकर टोकन बनाने में इस्तेमाल आने वाला इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा भी जब्त किया गया है। पूछताछ में उसने रवि काला के साथ मिलकर सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदकर इंदौर में बेचना कबूल किया है। सीमा नशा करने की आदी भी है। इससे पहले वह करीब दर्जन भर मामलों में जेल जा चुकी है।

अज्ञात कार की टक्कर से युवक की मौत

सड़क पार करते समय हादसा हुआ, पुलिस ने शुरू की जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बंसल चौराहा पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात को सड़क पार कर रहे ऑटो चालक को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल युवक की तड़के सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। चूनाभट्टी पुलिस ने सोमवार की दोपहर को पीएम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया है।

घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर पुलिस आरोपी वाहन चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक फयाज उद्दीन पिता कमरूद्दीन (45) साल चर्च रोड जिंसी ऑटो चलाते थे। दो बेटी और दो बेटों के पिता थे। बंसल चौराहा पर अज्ञात ऑटो ने टक्कर मारी है।

1250 पहुंचाया तो डॉक्टरों ने चेक कर मृत घोषित कर दिया। भाई अमीन उद्दीन ने मौत को संदिग्ध बताया है। वहीं पुलिस का कहना है कि अज्ञात कार की टक्कर से युवक घायल हो गया था।

राहगीरों की मदद से एम्बुलेंस से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जेपी अस्पताल में कुछ देर चले इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

डीजी कमेंडेशन रोल एंड डिस्क के लिए 80 नाम

रायसेन जिला अव्वल, वल्लभ भवन के सहायक सुरक्षा आयुक्त, एसडीओपी ओबेदुल्लागंज भी शामिल

भोपाल (नप्र)। पुलिस महानिदेशक द्वारा डीजी कमेंडेशन रोल एंड डिस्क के लिए 80 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को चुना गया है। पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति पत्र और डिस्क के लिए चुने गए कर्मचारियों में सबसे अधिक अधिकारी-कर्मचारी रायसेन जिले के हैं। इसमें एसडीओपी से लेकर आरक्षक तक की कैटेगरी के अधिकारी शामिल हैं।

प्रशस्ति पत्र के लिए वल्लभ भवन के सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा अविनाश शर्मा का भी नाम तय किया गया है।

पुलिस महानिदेशक ने 22 अगस्त को यह डिस्क और प्रशस्ति पत्र देने का फैसला किया है। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने नवम्बर 2024 के लिए जिन पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति पत्र एवं डिस्क (डीजी कमेंडेशन रोल एंड डिस्क) देने का फैसला किया है, उसमें ये अधिकारी कर्मचारी शामिल हैं।

एआईजी, डीएसपी स्तर के ये अधिकारी पाएंगे डिस्क

- विनीता मालवीय सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा पीएचक्यू
- आभा तिर्की एआईजी विशेष शाखा पीएचक्यू
- सारिका शुक्ला एआईजी विशेष शाखा पीएचक्यू
- विक्रम सिंह पूर्व एएसपी छतरपुर वर्तमान में मऊगंज
- शीला सुराणा एसडीओपी ओबेदुल्लागंज रायसेन
- अदिति बी सक्सेना एसडीओपी बाड़ी रायसेन
- नवीन दुबे एसडीओपी लवकुशनगर छतरपुर
- दिलीप सिंह परिहार इंस्पेक्टर (कार्यवाहक डीएसपी) यातायात उज्जैन
- अविनाश कुमार शर्मा निरीक्षक (कार्यवाहक डीएसपी) सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा वल्लभ भवन

इन निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों का हुआ चयन

- जय सिंह तोमर रक्षित निरीक्षक नगरीय पुलिस भोपाल
- कपिल गुप्ता निरीक्षक बरेली रायसेन
- विजय त्रिपाठी निरीक्षक सतलापुर रायसेन
- परसराम डाबर निरीक्षक थाना लवकुश नगर छतरपुर
- दीपेंद्र यादव निरीक्षक थाना प्रभारी कोतवाली मुरैना
- राजेश सातनकर उपनिरीक्षक (कार्यवाहक निरीक्षक) थाना प्रभारी चौपना बैतूल
- रामकृष्ण दुबे उप निरीक्षक (कार्यवाहक निरीक्षक) विशेष शाखा ग्वालियर
- रमन शर्मा उप निरीक्षक सायबर क्राइम भोपाल
- धर्मेंद्र अहिरवार उप निरीक्षक थाना प्रभारी बंशिया छतरपुर
- मनोज गोयल उप निरीक्षक तत्कालीन थाना प्रभारी बमनौरा वर्तमान में जिला विशेष शाखा छतरपुर
- अभिषेक जादौन उप निरीक्षक सायबर सेल प्रभारी मुरैना
- कपिल पारासर उप निरीक्षक थाना कोतवाली
- पवन सिंह भदौरिया पूर्व एसआई पुलिस लाइन मुरैना वर्तमान थाना प्रभारी सिहोनिया मुरैना
- लक्ष्मण गौर पूर्व एसआई थाना कोतवाली मुरैना वर्तमान ग्वालियर
- अमित पवार एसआई थाना आमला बैतूल
- सचिन यादव एसआई सायबर पुलिस मुख्यालय
- दिनेश चंद्र नागर एएसआई थाना बिलपांक संबद्ध रीडर शाखा एसपी कार्यालय रतलाम
- संतोष कुमार द्विवेदी एएसआई (कार्यवाहक उपनिरीक्षक) जिला विशेष शाखा भोपाल
- राघवेंद्र पंद्रे एएसआई (कार्यवाहक उप निरीक्षक) पुलिस उपायुक्त इंटेलिजेंस भोपाल

ये एएसआई, प्रधान आरक्षक पाएंगे प्रशस्ति पत्र

- पवन शर्मा एएसआई पुलिस लाइन उज्जैन
- सुरेंद्र सिंह एएसआई सायबर सेल रायसेन
- रमेश खंडाग्रे एएसआई रायसेन
- सुखनंदन नर्रे एएसआई थाना कोतवाली नर्मदापुरम
- अर्जुन कुमार माली प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक एएसआई) थाना यातायात मंदसौर
- उमाशंकर त्रिपाठी प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक एएसआई) भोपाल
- तेजकुंवर गिरवाल (प्रधान आरक्षक) एसपी कार्यालय मंदसौर
- राजेंद्र कुमार बरोरे प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक एएसआई)रीडर टू एएसपी रेल इंदौर
- राजू पवार प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक एएसआई) पुलिस उपायुक्त मुख्यालय नगरीय पुलिस भोपाल
- चुन्नीलाल सोलंकी प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक एएसआई) आजाक पीएचक्यू
- संजय सिंह प्रधान आरक्षक (कार्यवाहक एएसआई) आजाक पीएचक्यू
- सुरेंद्र पांडेय प्रधान आरक्षक माली 963, 35 वीं वाहिनी एसएएफ मंडला
- संजय यादव प्रधान आरक्षक चालक 58 रायसेन
- रोहित प्रधान आरक्षक 620 रायसेन
- श्याम सिंह राजपूत प्रधान आरक्षक रायसेन

डिस्क के लिए ये नाम भी हुए फाइनल

- अनिल दोहरे पूर्व प्रधान आरक्षक 547, थाना यातायात वर्तमान थाना कोतवाली
- शिवप्रताप पूर्व प्रधान आरक्षक 612 थाना नूराबाद हाल थाना कोतवाली
- प्रवेन्द्र प्रधान आरक्षक 920 थाना जौरा
- रविन्द्र प्रधान आरक्षक 07, थाना सिहोनिया थाना स्टेशन रोड
- रामकिशन प्रधान आरक्षक 1018 पुलिस लाइन मुरैना
- दुष्यंत शर्मा प्रधान आरक्षक 1260 पुलिस लाइन मुरैना
- अजय कुमार प्रधान आरक्षक 73 आईजी कार्यालय संबद्ध मुरैना
- संजय सिंह आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक) 14वीं वाहिनी एसएएफ ग्वालियर
- अनोखी लाल वर्मा आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 428) आरआरपी लाइन इंदौर
- अशोक कुमार पठारिया आरक्षक 68 ट्रेड 18वीं वाहिनी एसएएफ शिवपुरी
- सुनील कुमार पांडेय आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 63) थाना यातायात पन्ना
- अब्दुल रईस खान आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 2348) नगर नियंत्रण कक्ष भोपाल
- रविंद्र सिंह परते आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक) थाना जीआरपी इंदौर
- मोहम्मद इकबाल आरक्षक ट्रेड 14, 18 वीं वाहिनी एसएएफ शिवपुरी नितिन कुमार मिश्रा आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 94) डीआईजी कार्यालय छतरपुर
- भानु प्रताप सिंह राजपूत आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 1299) पुलिस लाइन उज्जैन
- प्रवीण सिंह आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक) थाना आजाक भोपाल
- आशीष बैरागी आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 639) साइबर सेल एसपी मंदसौर
- तुलसीराम यादव आरक्षक एसएएफ हॉक फोर्स बालाघाट
- सुनील कुमार सोनी आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 251) पुलिस लाइन अनूपपुर
- मदन खान आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 1444) रक्षित केंद्र भोपाल
- किशोर कुमार रैकवार कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 212 साइबर सेल छतरपुर

इन आरक्षकों को भी चुना गया

- सुरेश भटेरे आरक्षक 363 साइबर सेल मंडला
- पुनीत जंघेला आरक्षक 594 थाना कोतवाली मंडला
- विजय ठाकुर आरक्षक 261 साइबर सेल छतरपुर
- गीता सिंह महिला आरक्षक 573 थाना लवकुश नगर छतरपुर
- कुलदीप भदोरिया आरक्षक 167 थाना रिठौरा थाना कोतवाली
- शैलेंद्र जाट आरक्षक 866 साइबर सेल मुरैना
- मंगल गुर्जर आरक्षक 500 पुलिस लाइन मुरैना
- विपुल भावसार आरक्षक 218 चौकी सालाखेड़ी थाना स्टेशन रोड संबद्ध सायबर सेल रतलाम
- मुकेश यादव आरक्षक 733 रायसेन
- सुनंदा चौधरी आरक्षक (कार्यवाहक प्रधान आरक्षक 3029) थाना हबीबगंज नगरीय पुलिस भोपाल
- विकास तिवारी आरक्षक 564 रायसेन
- देवेंद्र आरक्षक 15 जिला रायसेन
- रवि कुमार चौबे निरीक्षक अ, शीघ्र लेखक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पूर्व उज्जैन
- चंद्रशेखर बैरागी कार्यवाहक सूबेदार अ, आंकिक पुलिस अधीक्षक कार्यालय मंदसौर
- नरेंद्र सिंह चौहान एएसआई (कार्यवाहक उप निरीक्षक अ) एसपी रेल कार्यालय भोपाल

संपादकीय

बांग्लादेश से माफी मांगेगा पाकिस्तान?

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार की बांग्लादेश यात्रा काफी चर्चा में है। इशाक बांग्लादेश और पाकिस्तान के रिश्तों में नई गर्माहट लाने के मकसद से वहां गए हैं। लेकिन तमाम सौजन्य के बाद भी बांग्लादेशी 1971 में पाक सेना द्वारा किए गए नरसंहार को नहीं भूले हैं। इस दौरे में डार से पाक सेना द्वारा किए गए भंयकर अत्याचारों के लिए सार्वजनिक माफी मांगने की मांग जोरों से की जा रही है। डार बांग्लादेश के दो दिनी दौरे पर हैं और अपनी इस यात्रा को ऐतिहासिक बता रहे हैं। वजह यह कि बांग्लादेश से भारत समर्थक शेख हसीना के पलायन के बाद वहां वजूद में आई कट्टरपंथी अंतरिम सरकार से पाकिस्तान गलबहियां करने में लगा है। पाक को लग रहा है कि भारत की प्रभावी गैर मौजूदगी और भारत विरोधी ताकतों के सहारे वो बांग्लादेश को फिर से 'पूर्व पाकिस्तान' बना सकता है। पाक विदेश मंत्री ने अपने दौरे में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की। जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने और मृत पड़े सार्क को सक्रिय करने पर जोर दिया गया। साथ ही इस दौरान यूनुस ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की बात कही। जवाब में युनूस ने कहा कि मैं एसएएआरसी को बढ़ावा देने के पक्ष में हूं और पाकिस्तान व अन्य एसएएआरसी देशों के साथ रिश्तों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता हूं। चर्चा में इशाक डार ने स्वीकार किया कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच कुछ संवेदनशील मुद्दे हैं (संभवतः 1971 के युद्ध से जुड़े), लेकिन साथ ही संस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तानी गायक बांग्लादेश में प्रस्तुति देते हैं, तो लोग उनकी सराहना करते हैं। यही भावना हमें आगे बढ़ानी है। साथ ही कहा कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ पुराने रिश्तों को फिर से जीवंत करना चाहता है। उन्होंने काह कि हमारी दोनों अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं, कई क्षेत्रों में हम साथ काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि इशाक डार पिछले 13 वर्षों में बांग्लादेश का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री हैं। बता दें कि इससे पहले डार ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, जमात-ए-इस्लामी के नेताओं, और छात्र संगठन नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) से भी मुलाकात की। उन्होंने बांग्लादेश सरकार के ऊर्जा और वाणिज्य से जुड़े सलाहकारों से भी बातचीत की। दूसरी तरफ बांग्लादेश में इस बात की चर्चा ज़ोरों पर है कि 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान अपनी भूमिका के लिए पाकिस्तान की तरफ़ से माफ़ी मांगी जाती है या नहीं। पाक विदेश मंत्री से मुलाकात के बाद एनसीपी ने कहा है कि बांग्लादेश-पाकिस्तान संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए 1971 के मुद्दे से निपटा जाना चाहिए। इसी तरह जमात-ए-इस्लामी ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में अनसुलझे मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझाने की ज़रूरत है। अब सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान अपनी 1971 की गलतियों के लिए बांग्लादेश से माफी मांगेगा क्या? बिना इसके बांग्लादेश के साथ उसके रिश्ते वास्तव में सामान्य और सहज हो सकेंगे? इस बारे में बांग्लादेश के विश्लेषकों का कहना है कि 1971 में हुए नरसंहार की ज़िम्मेदारी पाकिस्तानियों को स्वीकार करनी होगी। पाक ने इसे अलग-अलग तरीक़ों से कहा। 1971 के जनसंहार के लिए माफ़ी मांगे बिना कोई भी सरकार पाकिस्तान के साथ रिश्तों में ज़्यादा प्रगति नहीं कर सकती। गौरतलब है कि विगत 17 अप्रैल को बांग्लादेश-पाकिस्तान विदेश सचिव स्तर की बैठक के बाद, बांग्लादेश ने बार-बार 'मुक्ति संग्राम के दौरान अत्याचारों के लिए माफी मांगने या स्वतंत्रता-पूर्व साझा संसाधनों के लिए मुआवजे के रूप में 4.32 बिलियन डॉलर की बकाया राशि की मांग करने' जैसे मुद्दों को बढ़ावा दिया है।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

130वाँ संविधान संशोधन और लोकतंत्र

भारतीय लोकतंत्र का मूलाधार यह है कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि ही शासन की बागडोर संभालें। परंतु समय-समय पर राजनीति में अपराधीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति ने लोकतंत्र की नींव को हिलाया है। संसद और विधानसभाओं में ऐसे प्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ती गई है जिन पर आपराधिक मामल लंबित हैं। यही कारण है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा में प्रस्तुत किया, जिसके अंतर्गत यदि कोई मंत्री (चाहे केंद्र स्तर पर हो या राज्य स्तर पर) किसी आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहता है तो उसे पद से हटना होगा। यह प्रस्ताव जहां एक ओर राजनीति को शुचिता की ओर ले जाने का प्रयास करता है, वहीं दूसरी ओर इसके संभावित दुरुपयोग और संवैधानिक चुनौतियों पर भी बहस छिड़ गई है।

यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 75 और 164 में संशोधन का प्रस्ताव करता है, जो केंद्र और राज्यों में मंत्रिपरिषद की नियुक्ति और पदच्युत करने से संबंधित हैं। प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, यदि कोई मंत्री किसी ऐसे अपराध में आरोपित होकर गिरफ्तार होता है, जिसकी अधिकतम सजा पाँच वर्ष या उससे अधिक है, और यदि वह लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहता है, तो उसे पद से हटना अनिवार्य होगा। यह हटाने की प्रक्रिया प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री की सिफारिश पर आधारित होगी, लेकिन यदि वे सिफारिश नहीं करते तो 31वें दिन वह मंत्री स्वतः ही पदमुक्त हो जाएगा। विधेयक में दिल्ली के लिए अनुच्छेद 239 AA में भी इसी प्रकार के प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि यह प्रावधान केवल केंद्र और राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली पर भी लागू होगा।

वर्तमान समय में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 (Representation of People Act, 1951) के तहत केवल वही व्यक्ति संसद या विधानसभा की सदस्यता खोता है जिसे किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराकर कम से कम दो साल की सजा सुनाई गई हो। 2013 में लिली थॉमस बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया था कि दोषसिद्धि के बाद सदस्यता तुरंत समाप्त होगी, अपील लंबित रहने की स्थिति में भी सदस्यता बचाई नहीं जा सकेगी। इस प्रकार, मौजूदा प्रावधान दोषसिद्धि पर आधारित हैं, जबकि नया विधेयक मात्र गिरफ्तारी और 30 दिनों की हिरासत को ही पद से हटाने का आधार बनाता है। यही इस विधेयक की सबसे बड़ी विशेषता भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी।

भारतीय राजनीति में अपराधीकरण कोई नया विषय नहीं है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) की रिपोर्ट बताती है कि 2024 के आम चुनाव में चुने गए 46 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 29 प्रतिशत पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। इसी तरह राज्यों में भी लगभग 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है, क्योंकि अपराध के आरोपित जनप्रतिनिधि न केवल शासन में प्रवेश करते हैं, बल्कि मंत्री जैसे संवेदनशील पदों पर भी आसीन हो जाते हैं। ऐसे परिप्रेक्ष्य में यह विधेयक एक सशक्त प्रयास के रूप में देखा जा सकता है, जो यह संदेश देता है कि अपराध के दागी व्यक्ति सत्ता में बने रहने के योग्य नहीं हैं।

हालाँकि, यह विधेयक कई सवाल भी खड़े करता है। पहला प्रश्न यह है कि गिरफ्तारी और हिरासत को पदच्युत करने का आधार बनाना क्या न्यायोचित है? भारतीय संविधान में निर्दोषता की धारणा (Presumption of Innocence) को एक मौलिक सिद्धांत माना गया है। कोई भी व्यक्ति तब तक दोषी नहीं माना जाता जब तक कि न्यायालय उसे दोषी न ठहरा दे। ऐसे में, केवल पुलिस की कार्रवाई या राजनीतिक दबाव में की गई गिरफ्तारी के आधार पर मंत्री को पद से हटाना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विपरीत प्रतीत होता है। दूसरा, इस विधेयक के दुरुपयोग की आशंका प्रबल है। केंद्र सरकार यदि चाहे तो विपक्ष-शासित राज्यों के मंत्रियों को झूठे मामलों में फँसाकर गिरफ्तारी करवा सकती है और उन्हें पद से हटाने के लिए विवश कर सकती है। इससे संघीय ढांचे पर भी आघात हो सकता है। तीसरा, यह प्रावधान संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना को चुनौती देता है। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को अपनी इच्छा से मंत्रिमंडल बनाने और हटाने का अधिकार संविधान ने दिया है। यदि पुलिस या प्रशासनिक कार्रवाई से मंत्रियों को हटाया जाने लगे तो यह कार्यपालिका की स्वतंत्रता पर प्रहार होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर अपने विचार प्रकट किए हैं। बी.आर. कपूर बनाम तमिलनाडु राज्य (2001) में कोर्ट ने कहा था कि किसी व्यक्ति को मंत्री बनाने में नैतिकता और शुचिता का ध्यान रखा जाना चाहिए। बाद में एन.गिरिजा बनाम केरल राज्य और लिली थॉमस मामलों में भी यह स्पष्ट किया गया कि दोषसिद्धि होने पर सदस्यता तुरंत समाप्त होगी। लेकिन अभी तक यह जिम्मेदारी राजनीतिक दलों और प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री की नैतिकता पर छोड़ी गई थी। नया विधेयक इस नैतिक जिम्मेदारी को कानूनी दायरे में लाने का प्रयास करता है।

विपक्षी दलों ने इसे केंद्र सरकार का 'राजनीतिक हथियार' बताया है। उनका तर्क है कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता कमज़ोर होगी और केंद्रीय सत्ता को राज्यों पर अनुचित नियंत्रण का अवसर मिलेगा। वहीं, समर्थक यह मानते हैं कि राजनीति में शुचिता लाने के लिए कठोर प्रावधान आवश्यक हैं और यदि कोई मंत्री अपराध का आरोपी बनता है तो उसे सत्ता से बाहर होना ही चाहिए।

राजनीति में अपराधीकरण की समस्या को केवल कठोर क़ानूनों के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता। यह समस्या कहीं अधिक गहरी और जटिल है, जिसकी जड़ें राजनीतिक दलों की नीतियों और समाज की सोच में छिपी हुई हैं। केवल कानूनी प्रावधान बना देने से राजनीतिक परिदृश्य शुचिता से परिपूर्ण नहीं हो जाएगा, क्योंकि जब तक राजनीतिक दल स्वयं संयम न बरतें और जनता अपराधी पृष्ठभूमि वाले नेताओं को नकारने का साहस न दिखाए, तब तक अपराध और सत्ता का यह गठजोड़ बना रहेगा। यह आवश्यक है कि दल टिकट वितरण की प्रक्रिया में नैतिकता और जिम्मेदारी का परिचय दें और आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारने से बचें। यही नहीं, जनता को भी मतदान करते समय ऐसे उम्मीदवारों को नकारने का विवेकपूर्ण निर्णय लेना होगा। चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट पहले ही बार-बार यह सिफारिश कर चुके हैं कि राजनीतिक दल अपराधी पृष्ठभूमि वाले नेताओं को बढ़ावा न दें और उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों की जानकारी जनता तक पारदर्शी ढंग से पहुँचाई जाए।

हालाँकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि मौजूदा विधेयक को जल्दबाज़ी में लागू करने के बजाय उसमें संतुलनकारी प्रावधान जोड़े जाएँ। उदाहरणस्वरूप, केवल गिरफ्तारी या पुलिस हिरासत को ही मंत्री पद से हटाने का आधार बना देना न्याय के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ है। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी भी व्यक्ति को तब तक दोषी नहीं माना जा सकता जब तक कि सक्षम न्यायालय उसके खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल न कर दे और प्रारंभिक साक्ष्य आरोप को पुष्ट न करें। अतः विधेयक में यह संशोधन आवश्यक है कि केवल न्यायालय द्वारा स्थापित आरोपों के आधार पर ही मंत्री को पद से हटाने का प्रावधान लागू हो।

इसके अलावा, मंत्री को पद से हटाने की प्रक्रिया में केवल हिरासत ही नहीं बल्कि न्यायिक समीक्षा को भी अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इसका तात्पर्य यह है कि किसी भी मंत्री की गिरफ्तारी के मामले में, हटाने का अंतिम निर्णय एक न्यायिक निकाय या उच्च न्यायालय की देखरेख में हो, ताकि राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव में की गई पुलिस कार्रवाई लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर न कर सके।

सबसे गंभीर चिंता विपक्ष-शासित राज्यों में इस प्रावधान के संभावित दुरुपयोग की है। केंद्र सरकार यदि चाहे तो विपक्षी राज्यों के मंत्रियों को झूठे मामलों में फँसाकर गिरफ्तार करवा सकती है और इस प्रावधान का उपयोग उन्हें पद से हटाने के लिए कर सकती है। यह संघीय ढाँचे और राज्यों की स्वायत्तता पर सीधा प्रहार होगा। इस खतरे से बचने के लिए आवश्यक है कि विधेयक में ऐसे संवैधानिक सुरक्षा उपाय जोड़े जाएँ, जिनसे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रावधान का उपयोग केवल शुचिता और पारदर्शिता की रक्षा के लिए हो, न कि राजनीतिक प्रतिशोध के लिए।

130वाँ संविधान संशोधन विधेयक राजनीति में नैतिकता और शुचिता की बहस को नए सिरे से सामने लाता है। यह एक ओर अपराधीकरण की समस्या से निपटने का साहसिक कदम है, तो दूसरी ओर इसमें दुरुपयोग की आशंका भी निहित है। लोकतंत्र की बुनियाद तभी मजबूत रह सकती है जब शुचिता और निष्पक्षता दोनों का संतुलन बना रहे। इसलिए यह आवश्यक है कि संसद इस विधेयक पर जल्दबाज़ी में निर्णय न ले, बल्कि व्यापक बहस के बाद ऐसे संतुलनकारी प्रावधान जोड़े जाएँ जो न केवल अपराधीकरण को रोकें बल्कि लोकतांत्रिक ढाँचे और संघीय संतुलन की रक्षा भी करें। राजनीति से अपराधियों की दूरी आवश्यक है, परंतु यह दूरी न्यायपूर्ण और संवैधानिक ढंग से ही बनाई जानी चाहिए।

मुद्दा

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता

महिला समानता का लक्ष्य अब भी शेष

महिला समानता दिवस पर हम उन सभी सशक्त और प्रतिभाशाली महिलाओं के योगदान और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद करते हैं जो हमसे पूर्व आईं और हम सभी के लिए एक बेहतर और समावेशी दुनिया बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहीं। यह प्रतिबद्धता हम सभी की है जो हमारी आने वाली अगली पीढ़ी को हम से अधिक अधिकार उपलब्ध कराने के लिए है। महिला समानता के लिए दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सल मंडेला ने कहा था कि 'समानता सिर्फ एक बड़ा लक्ष्य नहीं है, यह एक व्यवहारिक आवश्यकता है। जब महिलाओं को समान अवसर मिलते हैं तो पूरा समाज फलता-फूलता है। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस कहती है कि 'जब तक महिलाओं को सभी प्रकार के उत्पीड़न से मुक्ति नहीं मिल जाती,तब तक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं हो सकती'। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा कहती है कि 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि समानता के लिए हमारी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। यह सिर्फ वोट देने के अधिकार की बात नहीं है। यह समान वेतन,स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच और जीवन के हर पहलू में समान अवसरों की बात है'। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा और अवधारणा के विकसित होने के बाद भी वैश्विक स्तर पर महिलाओं को समानता,स्वतंत्रता और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार के लिए अलग से संघर्ष करने पड़े हैं। अमेरिकी महिलाओं ने समान अधिकारों के लिए एक लंबा संघर्ष किया था जिसके फलस्वरूप 26 अगस्त 1920 में अमेरिकी संविधान में संशोधन के बाद पहली बार महिलाओं को मताधिकार का अधिकार प्राप्त हुआ। महिला समानता के अधिकारों के संघर्ष की स्मृतियों को ताजा रखते हुए प्रत्येक वर्ष 26 अगस्त को महिला समानता दिवस (Women's Equality Day) के रूप में मनाया जाता है। 26 अगस्त 1970 को अमेरिकी संविधान में 19वें संशोधन के पारित होने की 50वीं वर्षगांठ थी इसी संविधान संशोधन ने महिलाओं को पूर्ण मताधिकार प्रदान किया था। इसी वर्ष 'राष्ट्रीय महिला संगठन' ने महिलाओं से समान अधिकारों के लिए देशव्यापी समानता के लिए हड़ताल का आह्वान किया था। जिसमें देश के 90 से अधिक प्रमुख शहरों और कस्बों में एक लाख से अधिक महिलाओं ने रैलियों और प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। अमेरिका के इतिहास में लैंगिक समानता के लिए यह हड़ताल महिलाओं का सबसे बड़ा प्रतिरोध थी।

न्यूयॉर्क शहर में पचास हजार महिलाओं ने महिला आंदोलन और समान अधिकारों के समर्थन में प्रदर्शन किया। इस आंदोलन में बेट्टी फ्राइडन, ग्लोरिया स्टीनम और बेला अब्जुग ने संबोधित भी किया था। महिलाओं ने शिक्षा और रोजगार में समान अवसर की मांग की और साथ ही बाल देखभाल केंद्रों की मांग भी की। 1971 न्यूयॉर्क में बेला अब्जुग ने महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करने के लिए एक विशेष दिन की मांग की। इस विशेष दिवस की मांग को मान लिया गया और 1973 में अमेरिकी कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में नामित किया। इसके बाद पूरी दुनिया में महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। महिला समानता दिवस के इतिहास को कई कार्यशालाओं और सेमिनारों में वक्ताओं के द्वारा बताया जाता है और बताया जाएगा। लेकिन आज भी महिला समानता दिवस अपने मूल उद्देश्य से काफी पीछे है। आज भी यह दिवस महज रस्म अदायगी के तौर पर मनाया जाता है और कई महिलाओं को इस दिवस और इसके इतिहास का ज्ञान न होना भी इसे सवालों के घेरे में ले जाता है। महिला समानता दिवस का उद्देश्य महिलाओं के साथ होने वाले सामाजिक,राजनीतिक,आर्थिक और सांस्कृतिक समानता को बढ़ावा देना है, इसके साथ ही,यह लैंगिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ जागरूकता फैलाने का एक अवसर है,यह महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और उनके हक के लिए लगातार प्रयास करने की प्रेरणा देता है। महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार,भेदभाव,बलात्कार, कुकर्म,एसिड अटैक के प्रति लोगों को जागरूक और संवेदनशील बनाना है और महिलाओं को सशक्त कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। वर्ष 2023 में महिला समानता दिवस की थीम "Embrace Equality" था जिसका अर्थ 'समानता को अपनाओ या गले लगाओ' थी। इस थीम के द्वारा लैंगिक समानता हासिल करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था। वर्ष 2024 में महिला समानता दिवस की थीम 'अपने जीवन में महिलाओं का धन्यवाद करें' थी,जो जीवन के सभी पहलुओं में महिलाओं के योगदान को पहचानने और उनकी सराहना करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। वर्ष 2025 की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार,समानता और सशक्तिकरण है'। यह थीम लैंगिक समानता प्राप्त करने के महत्व पर जोर देती है और महिलाओं व लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए तेजी से कदम उठाने का आह्वान करती है।

लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goal - 2030) में से भी एक है। लैंगिक समानता मौलिक अधिकार होने के साथ एक शांतिपूर्ण, समृद्ध,सतत और टिकाऊ दुनिया के लिए आवश्यक आधार भी है। लैंगिक समानता की दिशा में विगत वर्षों में प्रगति हुई है लेकिन समूचे विश्व में लैंगिक समानता का लक्ष्य वर्ष 2030 तक भी हासिल नहीं हो सकेगा। 131 देशों में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 61 देशों में आज भी महिलाओं को पुरुषों के समान कार्य करने से रोका जाता है। 38 देशों में विवाह की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष बिना किसी ठोस आधार के निर्धारित की गई है। 63 देशों में बलात्कार को सहमति के अभाव के तौर पर परिभाषित किया जाता है। 80 प्रतिशत देशों में आधी से भी कम महिलाओं के पास कृषि योग्य भूमि का स्वामित्व है जो ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और कृषि खाद्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय संसदों में वर्ष 2025 में महिलाओं के पास महज 27.2 प्रतिशत सीटें हैं जो वर्ष 2015 से 4.9 प्रतिशत और वर्ष 2024 से महज 0.3 प्रतिशत ही अधिक है। भारतीय संविधान महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार प्रदान करता है। लेकिन क्या ये सभी समानताएं 21 वीं सदी के तीसरे दशक में भी परिलक्षित होती हैं? कई लोग तर्क दे सकते है कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और उन्हें अवसरों की समानता है। इस तर्क को स्वीकार किया जा सकता है लेकिन हर क्षेत्र में अवसर की समानता उतनी सहज नहीं है जितनी पुरुषों को है,साथ ही इसकी एक कीमत भी उसे चुकानी पड़ती है शिवानी भटनागर और जेसिका लाल के नाम शायद आज भी स्मृतियों में जिंदा हो। अपनी योग्यता साबित करते रहने के साथ साथ कई बार महिला होने के नाते भी समस्याओं,भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ साथ कार्यस्थल की जिम्मेदारियों का संयोजन भी बखूबी महिलाएं करती आई है और लगातार कर रही है। भारतीय समाज व्यवस्था में महिलाओं की समानता,स्वतंत्रता,न्याय के अधिकार और उनके प्रति संवेदनशीलता के इर्द गिर्द कई सारे सवाल आज भी मौजूद है जिन पर विमर्श की लगातार दरकार है और यही विमर्श आने वाले महिला समानता दिवस के लिए कारगर साबित होगा।

केक कटा न बधाई आई, यह कैसी ब्रांडवर्सरी

कटाक्ष

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक धूपभरी सुबह, आज से ठीक दस साल पहले मेरे पहले सोशल मीडिया पोस्ट के वायरल होने के दिन, एक सज्जन मेरे घर आए। उनके हाथ में फूलों का गुलदस्ता नहीं, बल्कि एक ब्रांडेड, बायोडिग्रेडेबल गिफ्ट बॉक्स था, जिसमें बेशकीमती कॉफी के खास कैप्सूल भरे थे–एक सावधानीपूर्वक तैयार किए गए 'साझेदारी तालमेल समझौते' की अद्भुत गवाही। उन्होंने मुझे यह ऐसे दिया, जैसे वह किसी और अधिक सभ्य युग के दूत हों, जो किसी लाभकारी गठबंधन की खबर लेकर आए हों। मैं एक पल के लिए हक्का-बक्का रह गया। 'लेकिन क्यों?' मैंने हकलाते हुए पूछा, मेरी सच्ची उलझन उस युग में एक बेहद अवांछनीय सामाजिक भूल थी, जहाँ हर बातचीत एक छिपे हुए लेनदेन की तरह होती है। 'यह आपकी ब्रांड-वर्सरी है,' उन्होंने कहा, एक कॉर्पोरेट मिशन स्टेटमेंट की तरह अभ्यास की गई, भावनाहीन लय में। तभी मुझे एक झटके के साथ याद आया, जिसने मेरे अस्तित्व को हिला दिया, कि यही दिन मेरे वार्षिक मील का पत्थर था। यह पहली प्रायोजित जन्मदिन की बधाई थी जो मुझे मिली थी, एक वस्तुकृत स्नेह का उपहार, प्रत्येक कैप्सूल एक सामरिक सहयोग का एक छोटा, भुना हुआ प्रतीक था। वह कुछ देर रुके रहे, उनकी उपस्थिति एक अजीब तरह की निगरानी थी, मेरे सामाजिक मूल्य का एक मूक ऑडिट। हमारे बीच की हवा एक स्पष्ट और साझा असहजता से भरी थी; हम दो कलाकार थे जो लेन-देन की शिष्टता की एक झाँकी में थे, एक संक्षिप्त, कोरियोग्राफ किया गया छोटी-छोटी बातों का नृत्य। उन्हें प्रायोजित, पैदल चलने वाली चाय का एक कप पेश किया गया और स्वीकार किया गया, जो एक बीते हुए युग का प्रतीक था, मानवीय दया का एक एकल, गैर-मुद्रीकृत कार्य। उन्होंने निश्चित रूप से ब्रांडेड मफिन या लोगो-सहित कप केक की दावत की उम्मीद की होगी, लेकिन वहाँ कुछ भी नहीं था। मेरी मेज, किसी भी प्रचार सामग्री से इतनी दयनीय रूप से वंचित थी, एक मूक, दोषी सच कह रही थीः किसी भी अन्य ब्रांड ने अभी तक मुझे अपनी उपस्थिति से सम्मानित नहीं किया था। उन्होंने निश्चित रूप से उस लंबे, असहज क्षण में निष्कर्ष निकाला कि मैं एक उजाड़ और कम-मुद्रीकृत आत्मा था, एक लेखक जो अपनी आधी उम्र तक पहुँच गया था और जिसकी जीवनी में 'सहयोगी लिंक' भी नहीं था।

वास्तव में, मैंने उन लोगों को देखा है जो अपने समारोहों का खुद ही आयोजन करते हैं, उनका हर मील का पत्थर आत्म-महिमा का एक सावधानीपूर्वक नियोजित तमाशा होता है, सार्वजनिक श्रद्धा की एक भव्य कोरियोग्राफी। यह केवल एक जन्मदिन नहीं है जिसकी वे योजना बनाते हैं, बल्कि एक फर्स्ट बर्थडे और एक फुलाऊ बर्थडे भी, सभी एक नाटकीय प्रदर्शन के साथ स्व-आयोजित होते हैं, जैसे कि वे एक अनजान जनता को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि वे एक भारी सार्वजनिक मांग के पीड़ित प्राप्तकर्ता हैं। उनसे सड़क पर मुलाकात हो सकती है, और वे एक गुप्त इशारे के साथ, झुककर और अनुरोध करेंगे, 'शुक्रवार शाम को मेरे मील के पत्थर गाला में आना न भूलें।' और फिर, जैसे कि एक बाद का विचार हो, वे एक थकी हुई खीझ का बहाना करेंगेः 'मुझे क्या फर्क पड़ता है? आप लोग इसका आयोजन कर रहे हैं; यह आपकी जिम्मेदारी है कि अच्छी भीड़ सुनिश्चित हो।' विनम्र अलगाव का यह प्रदर्शन एक विशेष कला रूप है, जिसे उन लोगों ने सिद्ध किया है जो हर व्यक्तिगत विजय को एक सार्वजनिक धन उगाहने वाले अभियान में बदलना चाहते हैं। वे दोहरे-खंडन की सूक्ष्म कला में महारत हासिल करते हैं, अपनी उदासीनता का दावा करते हुए एक गहरा और अटल दबाव डालते हैं, भावनात्मक ब्लैकमेल का एक शांत रूप जो एक अच्छी भीड़ और, इससे भी महत्वपूर्ण बात, उपहारों की एक स्वस्थ आपूर्ति सुनिश्चित करता है। यह झूठी विनम्रता का एक तमाशा है जो, एक समझदार आँख के लिए, एक वाकई में लुभावनी अहंकार को प्रकट करता है। हालाँकि, इस साल कुछ वाकई में महत्वपूर्ण हुआ। मेरी ब्रांड-वर्सरी को एक सप्ताह पहले ही जनता के लिए घोषित कर दिया गया था। हमारे समय के डिजिटल पैगंबर हमें बताते हैं कि एक सौर या चंद्र ग्रहण से पहले, 'वेद' की अवधि पृथ्वी पर उतरती है, जिसके दौरान सभी खाना निषिद्ध है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक मप्र के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

तू किस मुँह से परसाई बनेगा?

परसाई जी ने अंततः कॉलर पकड कर रोक ही लिया साहब को।

क्यो बे, क्यों नाम खराब कर रहा है मेरा?

झिझक गये साहब। इस अप्रत्याशित हमले की, वो भी इतने बडे लेखक की तरफ से, उन्हें कतई उम्मीद नहीं थी।

सर! आप कैसी बाते कर रहे हैं?

कैसी बाते नहीं, सही बाते कर रहा हूं। तू कुछ भी अगडम बगडम लिखेगा और चाहेगा कि मुझसे तुलना हो तेरी?

पर सर। मैंने अपनी तरफ से कब कुछ कहा।

बेटा तूने अपनी तरफ से नहीं कहा। पर चाहता तो यही है ना तू?

मैं यही चाहता हूं! आपको कैसे पता चला?

चुगद ही रहोगे तुम। जब मै जिंदा था तब लोगों के मन मे घुस लेता था। अब तो मर चुका। किसी के मन मे घुस कर उसे पढ़ने का एक्स्ट्रा पॉवर है अब मेरे पास।

भरोसा कीजिये मेरा। ऐसा कुछ नहीं सोचा कभी मैंने।

फिर झूठ। लोग जब लंबी लंबी फेंकते हैं, तेरा लिखा पढ़ कर मेरा जिक्र करते है तो मन मे लड्डू फूटते तो है तेरे।

पर सर। मैं एकलव्य हूं आपका।

यही तो दिक्कत है साहब। तुम जैसे एकलव्यों ने द्रौणाचार्य बना रख छोडा है मुझे। मरने के बावजूद मुंह छुपाये छुपाये घूमना पड़ता है मुझे तुम जैसे चिरकुटों की वजह से।

परसाई जी व्यंग्य से मुस्कुराए अब। क्या लिखता है तुझे, तेरे लिखने पर मिली वाह वाहियों में कुछ दम है?

क्या कहें अब साहब। कुछ जवाब सूझ नही रहा उन्हें।

चलो, मैं ही बताता हूं। परसाई जी बोले। इन तारीफ़ों मे से बहुतेरी तो सिरे से झूठी हैं। ये तेरे लिखे को नहीं तेरी कुर्सी को हासिल हैं। ये ना होती तो कोई नहीं पूछता तुझे।

अच्छा ये बता कि लिखता क्यों हैं ?

अब साहब फिर गड़बड़ाए। इस सवाल का क्या जवाब दें वो? वो इसलिये लिखता हूं कि अच्छा लगता है मुझे।

स्वांतः सुखाय वाले बाबा तुलसी दास की औलाद। ये तो कोई वजह ना हुई लिखने की।

फिर?

अरे भाई। खुद को अच्छा लगना, किसी को अच्छा लगना। ये तो कोई वजह नही हुई लिखने की।

तो कैसे और कब लिखना चाहिए?

चूंकि तू मेरा नाम खराब करने पर तुला ही हुआ है तो सुन। लिखना तब चाहिए ,जब कोई मजबूर कर दे कि जूता उतार लिया जाए। चूंकि सभी को जूते मारना मुमकिन नही इसलिये कलम को जूता बना लेने की काबिलियत हो।

तो आप ही बतायें कि लिखा कैसे जाए?

लिखने के लिये तपना पड़ता है। जैसा लिखो वैसा होना भी पड़ता है। अंदर बाहर से एक हो आदमी तभी धार आ पाती है क़लम में।तूने ये सोचा भी कैसे कि अपने मंहगे पार्कर के पेन के भरोसे परसाई हो जायेगा तू?

लिखने को जीना पडता है बेटा। कुछ खो देने का डर हो।पाने की लालसा हो तो लिखने से अच्छा है कहीं किराने की दुकान खोल लो।वैसे भी तेरी साहबी ठीक ठीक ही है ,तू दूर ही रह इस चक्कर से। रहने दे। तुमसे वैसे भी हो नही पायेगा।

क्यों नहीं हो पायेगा सर ?

नही हो पायेगा। तू सरकारी साहब है। साहब ही बना रहना चाहता है। साहबी और परसाईगिरी एक साथ मुमकिन नही।किसी दिन मुँह के बल गिरेगा, और फिर मुझे कोसेगा ।

साहबी से क्या दिक्कत है?

दिक्कत ही दिक्कत है। तू चाँदी की चम्मच लिये घूम रहा है मुँह में। एसी ऑफिस मे बैठकर ज्ञान बघारता है तू। तुझे दुनिया के बारे मे ,उसकी तकलीफो के बारे मे घंट नही पता।पसीने की गंध शामिल नही तुम्हारी स्याही मे।इसीलिये तुम और तुम्हारी लिखापढी दोनो मेड इन चॉईना टाईप नकली प्रॉडक्ट हैं।बंदरो जैसी तुम्हारी इस उछलकूद मे दम नही।

साहब समझ नहीं पा रहे कि क्या प्रतिक्रिया दे ! उनके कानो से धुँआ निकलने की नौबत आन पड़ी है। और सुनना ही चाहता है तो सुन।साहबी ने डरपोक बना दिया है तुझे।साहबी छूट जाने के विचार भर से तेरा मन बैठ जाता है।तू खुद व्यवस्था का पुर्जा है। दुनिया भर के धतकरम करने वाले आदमी तू किस मुँह से परसाई बनेगा?

तो रिटायरमैंट के बाद लिखूं?

तब भी बस का होगा नही ये तेरे। साहबी और परसाई गिरी मे कुत्ते बिल्ली का बैर है।इस जन्म मे साहबी चिपकी रहेगी तुझ से।कभी खुद लौकी भिंडी खरीदेगा या कहीं लाईन मे लगेगा तो साहबी तेरे अंदर ना छटपटाये ये मुमकिन नही।

यानि कि ना लिखूं ?

खूब लिख।अब मै किस किस का हाथ पकडूंगा? पर कोई जब मुझसे तुलना करे तेरी तो उनकी नादानी को तमगा मत समझ अपने लिए। फोकट मे छाती मत फुला।अपनी औकात मे रह।

नींद खुल गई है साहब की।पसीना पसीना हैं साहब।आप लोग भी मेहरबानी करें साहब पर। ऐसा कुछ कहें सुने ना साहब के लिखने के बारे मे ,जिससे परसाई जी साहब के सपने मे दुबारा चले आएं।

हरतालिका तीज पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

शिव-पार्वती के प्रेम और समर्पण का पावन पर्व

हरतालिका तीज भाद्रपद शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है और हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार यह पर्व 26 अगस्त को मनाया जा रहा है। इसके अगले ही दिन गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। हरतालिका तीज के दिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की रेत या मिट्टी से बनी मूर्तियों की पूजा करते हुए सुखी वैवाहिक जीवन के लिए प्रार्थना करती हैं। सुहागिन महिलाएं इस दिन पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए निर्जला उपवास रखती हैं जबकि कुंवारी कन्याओं के लिए तो यह पर्व मनचाहे और योग्य पति को प्राप्त करने का पर्व है। कुंवारी कन्याओं के लिए व्रत के नियम अलग हैं, वे इस व्रत को फलाहार पर भी रख सकती हैं।

हिंदू धर्म में 'तीज' पर्व का विशेष महत्व है, जो वर्ष में तीन बार आता है। सबसे पहले आती है सावन के महीने में 'हरियाली तीज', उसके कुछ ही दिन बाद 'कजरी तीज' और फिर 'हरतालिका तीज'। तीनों ही तीज भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हैं और पूरे देश में बहुत धूमधाम से मनाई जाती हैं। भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हरतालिका तीज भारतीय संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हिंदू धर्म का एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। इस व्रत का धार्मिक महत्व बहुत गहरा है और इसे सुख, समृद्धि एवं पतिव्रता धर्म का प्रतीक माना जाता है। हरतालिका तीज भाद्रपद शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है और हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार यह पर्व 26 अगस्त को मनाया जा रहा है। इसके अगले ही दिन गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। हरतालिका तीज के दिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की रेत या मिट्टी से बनी मूर्तियों की पूजा करते हुए सुखी वैवाहिक जीवन के लिए प्रार्थना करती हैं। सुहागिन महिलाएं इस दिन पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए निर्जला उपवास रखती हैं जबकि कुंवारी कन्याओं के लिए तो यह पर्व मनचाहे और योग्य पति को प्राप्त करने का पर्व है। कुंवारी कन्याओं के लिए व्रत के नियम अलग हैं, वे इस व्रत को फलाहार पर भी रख सकती हैं।

हरतालिका तीज खासतौर से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड इत्यादि में बहुत धूमधाम से मनाई जाती है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में हरतालिका तीज व्रत 'गौरी हब्बा' के नाम से मनाया जाता है, जहां महिलाएं सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद पाने के लिए स्वर्ण गौरी व्रत करती हैं। चूंकि हरतालिका तीज व्रत निर्जला व्रत होता है, इसीलिए इसे बेहद कठिन माना जाता है। महिलाएं इस दिन बिना अन्न-जल ग्रहण किए पूरे दिन व्रत रखती हैं। एक बार इस व्रत का संकल्प लेने के बाद इसे आजीवन रखना पड़ता है। यह त्योहार करवा चौथ से भी कठिन माना जाता है क्योंकि जहां करवा चौथ में चांद देखने के उपरांत व्रत सम्पन्न कर दिया जाता है, वहीं हरतालिका तीज व्रत में पूरे दिन निर्जला व्रत किया जाता है और अगले दिन पूजन के पश्चात् ही व्रत सम्पन्न होता है। तीज के सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक अन्न-जल कुछ भी ग्रहण नहीं किया जाता। मान्यता है कि इस व्रत को करने से विवाहित महिलाओं के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। हरतालिका तीज पर इस बार एक या दो नहीं बल्कि चार शुभ योग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, हरतालिका तीज पर पूरे दिन रवि योग, शुभ योग, साध्य योग रहने वाला है. साथ ही इस दिन गुरु और चंद्रमा एक दूसरे से केंद्र भाव में रहने वाले हैं, जिससे गजकेसरी योग रहने वाला है। इन शुभ योगों में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना और भजन कीर्तिन करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है और मनोकामना भी पूरी होती हैं। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की

तृतीया तिथि की शुरुआत 25 अगस्त को दोपहर 12 बजकर 34 मिनट से होगी, जिसका समापन 26 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट होगा। इसलिए उदया तिथि (सूर्योदय के समय जो तिथि हो) को मान्यता देते हुए हरतालिका तीज का व्रत 26 अगस्त को किया जाएगा। वैसे तो हरतालिका पूजन किसी भी समय किया जा सकता है लेकिन प्रातःकाल और प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विशेष कल्याणकारी मानी गई है।

हरतालिका तीज पर इस साल ब्रह्म योग, शुक्ल योग, रवि योग, हस्त नक्षत्र, चित्रा नक्षत्र का संयोग बन रहा है और ये सभी योग शुभ माने जाते हैं। हरतालिका तीज पर इस बार जो तीन बड़े दुर्लभ योग बन रहे हैं, उनमें शुक्ल योग को बहुत ही शुभ योग माना जाता है। इस योग को चंद्रमा की तरह एकदम पाक माना गया है। माना जाता है कि यदि आप इस योग में पूजा कर रहे हैं तो फल प्राप्ति की संभावना सर्वाधिक होती है। यह दुर्लभ योग ज्योतिषियों द्वारा फल प्राप्ति की गारंटी माना जाता है। ब्रह्मा योग को भी एक दुर्लभ योग माना जाता है, जो ज्ञान का स्रोत माना गया है। इस शक्तिशाली योग में यदि साधक सच्चे मन से पूजा करते हैं तो इससे स्वास्थ्य, बुद्धि, धन और बल की प्राप्ति होती है और उसके जीवन में मजबूती आती है। इस योग में पूजा करने से इंसान की उम्र भी बढ़ती है। रवि योग भी अत्यंत लाभकारी योग माना गया है, इस योग में पूजा करने से साधक को बहुत लाभ मिलता है। ज्योतिषविदों के अनुसार यह मान-सम्मान का योग माना जाता है और जो लोग चाहते हैं कि समाज में उनकी प्रतिष्ठता बढ़े तो उन्हें रवि योग में पूजा अवश्य करनी चाहिए। इस व्रत को 'हरतालिका तीज' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि एक पौराणिक कथा के अनुसार, माता पार्वती की शादी उनके पिता राजा हिमालय उनकी इच्छा के विरूद्ध भगवान विष्णु से करवाना चाहते थे। तब माता पार्वती की एक सहेली उन्हें अपने साथ घने जंगल में ले जाकर छिपा देती है। उस घने सुनसान जंगल में स्थित एक गुफा में ही रहकर माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप शुरू किया, जिसके लिए उन्होंने रेत के शिवलिंग की स्थापना की। जब माता पार्वती ने शिवलिंग की स्थापना की, संयोग से वह हस्त नक्षत्र में भाद्रपद शुक्ल तृतीया का दिन था। इस दिन निर्जला उपवास रखते हुए उन्होंने रात्रि में जागरण भी किया। इस कथा में 'हरत' का अर्थ अपहरण और 'आलिका' का अर्थ सहेली है और इस तरह 'हरतालिका' शब्द बना। हरतालिका तीज को 'बड़ी तीज' भी कहा जाता है, जो हरियाली तीज के एक महीने बाद आती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, मां पार्वती ने सबसे पहले हरतालिका तीज का व्रत किया था। ऐसा माना जाता है कि शिव को पति रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने हरियाली तीज के दिन कठोर व्रत की शुरुआत की थी, जो हरतालिका तीज के दिन ही समाप्त हुआ था। माना जाता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए अत्यंत कठोर तप किया था और इसी दिन उन्हें भगवान शिव मिले थे, इसीलिए यह व्रत प्रेम और समर्पण का प्रतीक भी माना जाता है। हरतालिका तीज के दिन 16 श्रृंगार का विशेष महत्व है क्योंकि सौभाग्य का संबंध श्रृंगार से जुड़ा है, जिसमें सभी वस्तुएं वैवाहिक जीवन की निशानी मानी जाती हैं। पूजा के समय व्रती महिलाएं स्वयं भी 16 श्रृंगार करती हैं और पूजा में माता पार्वती को भी 16 श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित करती हैं। सोलह श्रृंगार में सिंदूर, मेंहदी, चूड़ियां, महावर, बिंदी, काजल, नथ, मंगलसूत्र, मांग टीका, गजरा, बिछिया आदि वस्तुएं शामिल होती हैं। हरतालिका तीज में हरे रंग का विशेष महत्व है क्योंकि यह रंग प्रकृति का रंग होता है। हिंदू धर्म में हरा रंग अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना गया है, यह प्रकृति, वृद्धि और नवीनता का भी प्रतीक है। माना जाता है कि धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी भी हरे रंग को पसंद करती हैं। यही कारण है कि हरतालिका तीज में इस रंग को पहनना शुभ माना गया है। इसीलिए हरतालिका तीज के मौके पर सुहागिन महिलाएं हरी साड़ी, हरी कांच की चूड़ियां इत्यादि खासतौर से पहनती हैं। हरतालिका तीज में जिस प्रकार पूजा और व्रत का विशेष महत्व है, उसी प्रकार दान का भी खास महत्व माना जाता है। तीज व्रती महिलाएं कोई नई साड़ी या कोई नया वस्त्र किसी सुहागिन महिला या पुरोहित की पत्नी को दान करते हुए श्रद्धापूर्वक कुछ दक्षिणा भी देती हैं।

आस्था

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

हरितालिका व्रतः सनातन परंपरा और प्रासंगिकता

पौराणिक मान्यता है कि हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह उनके पिता ने विष्णु से करने का निश्चय किया था। किंतु पार्वती जी का मन भगवान शंकर में रमा हुआ था। इस स्थिति में उनकी सखियाँ उन्हें वन में ले गईं और कठोर तपस्या करने का अवसर दिया। अंततः उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इसी घटना की स्मृति में हरितालिका व्रत की परंपरा प्रारंभ हुई। व्रत की विधि और आचार इस दिन स्त्रियाँ निर्जला या फलाहार व्रत रखती हैं। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-आराधना के साथ-साथ हरितालिका कथा का श्रवण और पाठ किया जाता है।

भाद्रपद शुक्ल तृतीया को मनाया जाने वाला हरितालिका व्रत भारतीय स्त्रियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह व्रत मुख्य रूप से सुहागिन एवं अविवाहित महिलाओं द्वारा अखंड सौभाग्य और इच्छित वर की प्राप्ति हेतु रखा जाता है। 'हरित' का अर्थ है हर लेना और 'आलिका' का अर्थ है सखी, अर्थात यह व्रत उस प्रसंग की स्मृति है जब पार्वती जी की सखियों ने उन्हें विवाह से पहले छिपाकर भगवान शंकर की आराधना हेतु प्रेरित किया।

पौराणिक मान्यता है कि हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह उनके पिता ने विष्णु से करने का निश्चय किया था। किंतु पार्वती जी का मन भगवान शंकर में रमा हुआ था। इस स्थिति में उनकी सखियाँ उन्हें वन में ले गईं और कठोर तपस्या करने का अवसर दिया। अंततः उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इसी घटना की स्मृति में हरितालिका व्रत की परंपरा प्रारंभ हुई। व्रत की विधि और आचार इस दिन स्त्रियाँ निर्जला या फलाहार व्रत रखती हैं। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-आराधना के साथ-साथ हरितालिका कथा का श्रवण और पाठ किया जाता है। व्रतधारिणी स्त्रियाँ रात्रि जागरण कर भजन-कीर्तन करती हैं। यह व्रत केवल शारीरिक संयम ही नहीं बल्कि मानसिक एकाग्रता, आस्था और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

सनातन और आध्यात्मिक महत्व

- **पति-पत्नी संबंध का आदर्श-** हरितालिका व्रत शिव-पार्वती जैसे दांपत्य आदर्श को स्थापित करता है।
- **साधना और संयम-** उपवास और जागरण साधक को आत्मसंयम, धैर्य और आत्मबल की शिक्षा देते हैं।
- **स्त्री-शक्ति का प्रतिफलन-** पार्वती जी की तपस्या यह संदेश देती है कि स्त्री केवल गृहस्थी की धुरी नहीं, बल्कि तपस्विनी और संकल्पशक्ति की मूर्ति भी है।
- **भक्ति का प्रतीक-** यह व्रत बताता है कि अनन्य श्रद्धा और विश्वास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

समाज और परिवार में व्रत की भूमिका

- भारतीय समाज में व्रत-उपवास केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि सामाजिक बंधन का साधन भी हैं।
- महिलाएँ सामूहिक रूप से यह व्रत करती हैं, जिससे सामूहिकता और बहनापा मजबूत होता है।
- परिवार में वैवाहिक जीवन की स्थिरता और पवित्रता का भाव पुष्ट होता है।
- नई पीढ़ी को परंपरा और संस्कृति से जोड़ने का अवसर मिलता है।

वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता

आज का समय तेजी से बदलते मूल्यों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के युग का है। ऐसे में हरितालिका व्रत की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है–

- **संबंधों की मजबूती-** आधुनिक समय में दांपत्य जीवन अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है। यह व्रत संबंधों को सुदृढ़ और स्थायी बनाने का संदेश देता है।
- **महिला सशक्तिकरण-** यह व्रत दर्शाता है कि स्त्री केवल आश्रित नहीं, बल्कि स्वयं अपने भाग्य और जीवन को आकार देने वाली है।
- **सांस्कृतिक संरक्षण-** वैश्वीकरण और पाश्चात्य प्रभाव के दौर में यह व्रत भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को सुरक्षित रखता है।
- **स्वास्थ्य और अनुशासन-** व्रत-उपवास आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से भी शरीर को विषमुक्त करने और मानसिक शांति प्रदान करने का साधन है। हरितालिका व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं, बल्कि भारतीय समाज में स्त्री-शक्ति, दांपत्य की पवित्रता और आस्था की दृढ़ता का प्रतीक है। सनातन परंपरा से लेकर आधुनिक युग तक इसकी उपयोगिता बनी हुई है। यह व्रत हमें सिखाता है कि जीवन में सत्य, संयम और संकल्प ही सफलता और सुखमय संबंधों का आधार हैं।

एक्सप्रेस-वे

ऋतुराज बुड़ावनवाला

(पत्रकार और छायाकार)

आधा अधूरा सफर यात्रा के लिए निरापद नहीं

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के पूरी तरह शुरू होने का इंतजार कई लोगों को है। दिल्ली से मुंबई 12 घंटे में पहुंचने का सपना संजोए लोग आज भी इसके पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। 11000 हजार करोड़ की लागत से 1386 किलोमीटर लंबे इस राजमार्ग को 'एक्सेस कंट्रोल हाईवे' नाम दिया गया। मध्यप्रदेश के जिस हिस्से को यात्रा के लिए चालू किया गया, वह रात को यात्रा के लिए बिल्कुल निरापद नहीं है। इस मार्ग पर आए दिन कोई घटना-दुर्घटना होती ही रहती है। निर्माणाधीन कार्य की गति और मौजूदा शिथिल पड़े अधूरे काम को देखकर इस साल अक्टूबर 2025 तक इसके पूर्ण होने के आसार धरातल पर तो नजर नहीं आते।

उम्मीदों से भरा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे लोगों की कसौटी पर खरा नहीं उतरा। अभी यह पूरी तरह से चालू भी नहीं हुआ और बंजली (रतलाम) से टिमरवानी (थांदला) के बीच सड़क टूटने लगी। इस कारण गाड़ियां हिचकोले खाकर कूदती चल रही है। इस रोड पर यात्रा करना खतरे से खाली नहीं। 80 से 120 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चलने के लिए बनाए गए इस मार्ग पर मवेशी जगह-जगह बैठे हुए रहते हैं और सड़क पार करते रहते हैं। आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे इस मार्ग पर लगी हुई रेलिंगों एवं रोड किनारों पर खेलते हुए और बड़े बुजुर्ग बतियाते हुए, आराम फरमाते हर समय नजर आते हैं।

जगह जगह से रेलिंगों को तोड़कर मवेशियों, रहवासियों तथा दो पहिया वाहनों का अनाधिकृत प्रवेश दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। दो पहिया वाहनों के इस मार्ग पर प्रवेश की रोक के बावजूद भी पूरे मार्ग में किसी भी साइट से किसी भी जगह और किसी भी दिशा से मोटरसाइकिल वाले दनदनाते हुए घुस कर इस मार्ग पर यात्रा करने लगते हैं। इस मार्ग पर वाहनों पर कब पत्थर बरसने लग जाए, कोई कह नहीं सकता। शाम 6 बजे के बाद तो इस मार्ग पर यात्रा करने से डर लगता है। इस क्षेत्र में रहने वाले नाते-रिश्तेदार तो रात को इस मार्ग पर यात्रा करने से रोकते हैं। क्योंकि। वे रात को यह मार्ग यात्रा के लिए बिल्कुल निरापद नहीं मानते। इस मार्ग पर आए दिन किसी न किसी कारण से घटना-दुर्घटना होती ही रहती है।

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले से होकर गुजरने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर खासतौर पर रावटी व शिवगढ़ थाना क्षेत्र में अज्ञात लोगों द्वारा गत वर्षों में अनेक बार वाहनों पर पथराव किए गए। रावटी ब्रिज व शिवगढ़ के ग्राम बायडी तथा झाबुआ जिले से लगे क्षेत्रों में कई बार पथराव की घटनाएं हुई है। एक फरवरी 2024 को पूर्व विधायक दिलीप मकवाना के स्कॉर्पियो वाहन पर

रावटी के समीप पथराव किया गया था, जिससे वे बाल-बच गए थे। 13 व 14 जुलाई 2024 की दरमियानी रात भी कई वाहनों पर पथराव हुआ था। बदमाशों के पथराव में एक ट्राले और 5 कारों को नुकसान हुआ। एक वाहन में सवार जितेंद्र पाटीदार भी इस पथराव में घायल हुए थे। शिवगढ़ पुलिस ने अज्ञात बदमाशों पर प्रकरण दर्ज किया।

थांदला-रतलाम के मध्य बढ़ती पथराव की घटनाओं के मद्देनजर 24 घंटे पुलिस की उपलब्धता और पुख्ता सुरक्षा इंतजाम के लिए रतलाम के तत्कालीन एसपी राहुल लोढ़ा के निर्देशन में जुलाई 2024 में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर पांच स्थानों रिंगनोद, जावरा औद्योगिक क्षेत्र, नामली, शिवगढ़ व रावटी थाना क्षेत्र में एक-एक पुलिस चौकियां स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने की कवायद हुई थी, जिससे वाहन चालकों व यात्रियों को घटना-दुर्घटना होने पर तत्काल पुलिस की मदद मिल सके। परंतु यह विडम्बना ही रही कि रतलाम में 2024 में घटित एक घटना के चलते तत्काल उनका ट्रांसफर कर दिया गया। वह योजना अपना मूर्त रूप ग्रहण नहीं कर पाई।

एक्सप्रेस-वे पर अभी एक भी पुलिस चौकी नहीं है। इस कारण पथराव तथा अन्य घटना-दुर्घटना होने पर संबंधित थाने से पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचने में समय लगता है। कई थानों में स्टाफ की कमी के चलते पुलिस पर्याप्त पेट्रोलिंग भी नहीं कर पाती है। कोई माह या पखवाड़ा ऐसा नहीं जाता कि इस मार्ग पर पत्थरबाजी की घटना और दुर्घटना नहीं होती हो।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली से मुंबई तक एक्सप्रेस-वे के मध्यप्रदेश के 224 किमी के हिस्से में करीब दो साल से आवागमन शुरू हो गया है। मंदसौर, रतलाम व झाबुआ जिले के लिए वाहन प्रतिदिन गुजर रहे है। किंतु निर्माण के बाद इस मार्ग का जितना हिस्सा शुरू किया गया, वहां मार्ग पर चलने वाले वाहनों व यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर राजस्थान के कोटा जिले के चेचट से मध्य प्रदेश के टिमरवानी (थांदला /झाबुआ) तक की 269 की दूरी के खंड का यह सफर मुश्किलों भरा है। इस दूरी को पार करने में कार या एसयूवी को 3 घंटे तथा हैवी लोडिंग वाहन को 5 घंटे का समय लगता है। रास्ते में यात्रियों को रेस्ट एवं सर्विस सुविधाओं के चालू नहीं होने से कहीं भी जलपान उपलब्ध नहीं होता।

एक्सप्रेस-वे पर एनएचएआई ने यात्रियों को अभी तक आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाई है। रेस्ट एवं सर्विस एरिया जहां पर हॉस्पिटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, फ्यूल तथा मैकेनिक जैसी सुविधाएं होना चाहिए, वह चालू ही नहीं हुई । यात्री रेलिंग के बाहर आसपास के ग्रामीणों द्वारा खोली गई छोटी मोटी दुकानों पर ही निर्भर है। यहां पर ड्राइवरों एवं यात्रियों को थोड़ा बहुत नाश्ता और चाय पानी मिल जाती है। ऑयल कॉरपोरेशन ने भी अभी तक पेट्रोल पंप स्थापित नहीं किए। कॉर्पोरेशन का कहना है कि एक्सप्रेस-वे पर अभी वाहनों की संख्या नहीं बढ़ी। जहां पर पेट्रोल पंप स्थापित होने हैं, उन रेस्ट एरिया का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। लंबी दूरी के यात्रियों को फ्यूल भरने के लिए इंटरचेंज से बाहर निकलना पड़ता है। वाहन में किसी भी तरह की समस्या आ जाने पर मैकेनिक सुविधा के अभाव में वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के पूरी तरह शुरू होने का इंतजार कई लोगों को है। दिल्ली से मुंबई 12 घंटे में पहुंचने का सपना संजोए लोग आज भी इसके पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। 11000 हजार करोड़ रुपए की लागत से 1386 किलोमीटर लंबे इस राजमार्ग को एक्सेस कंट्रोल हाईवे नाम दिया गया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस की नींव साल 2019 में रखी गई थी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अक्टूबर 2025 में इसके सुचारू रूप से चालू होने की घोषणा की है। मध्य प्रदेश और गुजरात के मध्य निर्माणाधीन स्थल पर कार्यरत मजदूरों, ट्राला एवं जेसीबी चालकों से हुई बातचीत, निर्माणाधीन कार्य की गति और मौजूदा शिथिल पड़े अधूरे काम को देखकर इस साल अक्टूबर 2025 तक इसके पूर्ण होने के आसार धरातल पर तो नजर नहीं आए।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बनाए जा रहे इस एक्सप्रेस-वे के राजस्थान के चेचट इंटरचेंज से कोटा रावतभाटा, मोइक व एनएच 52, निमथुर इंटरचेंज से भवानी मंडी, नीमच, भानपुरा और झालावाड़, गरोठ टोल से उज्जैन मंदसौर और शामगढ़, धलावादा से सीतामऊ होकर मंदसौर, भूतड़ा (जावरा) इंटरचेंज से उज्जैन और जावरा, नामली इंटरचेंज से रतलाम और इंदौर,धामनोद इंटरचेंज से रतलाम और बांसवाड़ा, थांदला इंटरचेंज से झाबुआ का सफर फिलहाल किया जा रहा है।

स्कूली बच्चों को दी यातायात नियमों की जानकारी

बैतूल। शासकीय उमावि भड़ूस में पुलिस द्वारा राहवीर योजना के अंतर्गत स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि यदि किसी का सडक़ पर एक्सीडेंट हो जाता है, तो उसे हॉस्पिटल पहुंचा कर उसकी जान बचाई जा सकती है। जान बचाने वाले को सरकार द्वारा पुरस्कृत कर रुपए इनाम में दिए जाते हैं। यातायात पुलिस प्रभारी द्वारा सडक़ सुरक्षा अंतर्गत विद्यार्थियों को नियमों की आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर शाला का समस्त स्टाफ एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री विनायकम स्कूल में आयोजित हुआ साइबर जागरूकता कार्यक्रम

बैतूल। बैतूल के श्री विनायकम स्कूल में साइबर सेल बैतूल द्वारा जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर संजय राठौर एवं अमित मालवीय, एडमिनिस्ट्रेशन प्रमुख भोजराज चडोकर, प्राचार्य श्याम बाबू, शिक्षकगण तथा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 400 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया ने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। ओटीपी, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी किसी से साझा न करें। सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी व फोटो साझा करने से बचें। अज्ञात कॉल या डिजिटल अरेस्ट जैसे फ्रॉड से सावधान रहें। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें। साइबर सेल के उपनिरीक्षक नवीन सोनकर एवं सदस्य दीपेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध जैसे ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, फेक कॉल, फर्जी वेबसाइट, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा उनसे बचाव के उपाय बताए।

पिछले 24 घंटे के दौरान 5.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले की औसत वर्षा 1083.9 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 719.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 841.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 25 अगस्त 2025 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 5.8 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 25 अगस्त 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील बैतूल में 3.4, घोड़ाडोंगरी में 7.0, चिचोली में 8.0, शाहपुर में 7.0, मुलताई में 4.0, प्रभात पट्टन में 4.0, आमला में 1.0, भैंसदेही में 10.0, आठनेर में 3.2 तथा भीमपुर में 10.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की

बैतूल। बैतूल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का मुक्की हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट में अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे। वह सोमवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष समेत 16 नेताओं पर दर्ज एफआईआर की वापसी की मांग को लेकर पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर से मिलने की मांग की। कलेक्टर के बाहर नहीं आने पर वे मुख्य गेट से अंदर जाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान पुलिस से उनकी नोकझोंक हुई। संयुक्त कलेक्टर मकसूद खान ज्ञापन लेने आए, लेकिन कार्यकर्ताओं ने उन्हें ज्ञापन देने से मना कर दिया। बाद में कलेक्टर ने कुछ कार्यकर्ताओं से चर्चा की और एसपी से बात करने का आश्वासन दिया। बता दे कि 18 अगस्त को कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय विनोद डागा के आगमन पर कारगिल चौक पर कांग्रेस के झंडे लगाए गए थे। कांग्रेस ने भाजपा के पूर्व पार्षद सतीश बडोनिया पर झंडे हटाकर कचरे में फेंकने का आरोप लगाया था। कांग्रेस का आरोप है कि शिकायत करने पर शहर ब्लॉक अध्यक्ष मनोज बडोनिया और अन्य कार्यकर्ताओं पर झूठी एफआईआर दर्ज की गई। भाजपा पार्षद पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें जिलाध्यक्ष निलय डागा और 16 कार्यकर्ताओं पर दर्ज एफआईआर निरस्त करने और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की गई है।

पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि का श्रेष्ठ साधन : गुरुदेव शीतल राज

बैतूल। जैन समाज द्वारा पर्युषण पर्व के अवसर पर स्थानक भवन में चल रहे धार्मिक आयोजनों का छठवां दिन श्रद्धा, भक्ति और आत्मचिंतन से ओतप्रोत रहा। प्रवचन में गुरुदेव शीतल राज जी म.सा. ने कहा कि दया धर्म का मूल है, जब तक हमारे मन में सभी जीवों के प्रति करुणा, दया और सहानुभूति नहीं होगी, तब तक हमारे पर्व की आराधना अधूरी है। उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि का श्रेष्ठ साधन है, जिसमें हमें अहिंसा, दया और मैत्री के सूत्र को अपने जीवन में उतारना होता है। गुरुदेव शीतल राज जी म.सा. ने श्रावकों और श्राविकाओं से कहा कि हमें इस पर्व के माध्यम से अपने सभी ज्ञात-अज्ञात पापों की आलोचना प्रतिक्रमण द्वारा करनी चाहिए। सुबह-शाम नियमित रूप से प्रतिक्रमण करने से ही पापों की निर्जरा संभव है। उन्होंने कहा कि जब हम रोज गुरु भगवंतों के उपदेशों को ग्रहण करते हैं, तभी आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने श्रावकों और श्राविकाओं की तपस्या का प्रत्याख्यान कर उन्हें प्रेरित किया और अंत में महामंगलिक के पाठ से सभी को अभिभूत कर दिया। वहीं दूसरी ओर, जैन दादावाड़ी में भी पर्युषण पर्व की भव्यता देखते ही बन रही है। रविवार को दादावाड़ी में भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम और भक्तिभाव से मनाया गया। जन्मकल्याणक के अवसर पर 14 स्वप्नों की झांकी, पोथा जी और पालना जी की बोलियों ने सभी श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान कल्पसूत्र का भावपूर्ण वाचन श्रीमती पुष्पा देवी बच्छावत और कुमारी दीप्ति बरडिया ने किया। इन आयोजनों में जैन समाज के सभी सदस्य बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर धार्मिक उत्सव को भक्ति, तप और आत्मशुद्धि के साथ मना रहे हैं।

2000 लोगों को रोजगार देने वाले प्रोजेक्ट का काम शुरू

उम्मीद : अप्रैल 2026 तक तैयार होगा वुडन क्लस्टर प्रोजेक्ट

फाइल फोटो

बैतूल। एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत ग्राम कढ़ाई में प्रस्तावित वुडन एवं फर्नीचर क्लस्टर की स्थापना का काम प्रगति पर है। उम्मीद है कि अप्रैल 2026 तक वुडन एवं फर्नीचर क्लस्टर का काम पूरा हो जायेगा। दरअसल वर्ष 2022 में शुरू हुई प्रक्रिया के बावजूद अब तक इस प्रोजेक्ट के तहत ले-आउट डालने के साथ-साथ जमीन का लेवल और रोड तथा पानी की टंकी का निर्माण कार्य चल रहा है। इस क्लस्टर को लेकर दावा किया जा रहा है कि इसके निर्माण से करीब 2000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। वुडन इंडस्ट्री के विकास से स्थानीय स्तर पर फर्नीचर निर्माण और संबंधित उद्योगों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वहीं वुडन कार्य से संबंधित छोटे उद्योग संचालित करने वाले कारोबारी को भी वुडन फर्नीचर क्लस्टर से लाभ मिलेगा। बता दे कि राज्य क्लस्टर विकास योजना के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा कढ़ाई में 50 एकड़ क्षेत्र में इस क्लस्टर का निर्माण किया जाना है। योजना के अनुसार यहां लकड़ी से जुड़े उद्योगों के लिए 101 प्लाट आवंटित हैं और इसके लिए एसपीवी बैतूल क्लस्टर डेवलपमेंट एसोसिएशन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की जिमेदारी सौंपी गई है।

प्रोजेक्ट के लिए बनाई गई है समिति - क्लस्टर के विकास के लिए उद्योगपतियों की एक समिति बनाई गई है। इस समिति के माध्यम से एसपीवी बैतूल क्लस्टर डेवलपमेंट एसोसिएशन यहां विकास कार्य कर रहा है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में रोड और पानी टंकी का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी। पूरे प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग जिला उद्योग विभाग द्वारा की जा रही है। वर्ष 2022 में प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद से छोटे उद्योग संचालित करने वाले कारोबारियों में खुशी का माहौल है। ज़मीन के विकास, बाउंड्री, इंफ्रास्ट्रक्चर, सडक़ या अन्य कार्यों में प्रगति हुई है और 2026 तक प्रोजेक्ट के मूर्तरूप लेने की उम्मीद जताई जा रही है।

सितंबर 2025 तक था लक्ष्य, बढ़ी डेडलाइन

बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट को लेकर जिला व्यापार उद्योग संचालनालय भोपाल ने पहले सितंबर 2025 तक का लक्ष्य तय किया था। लेकिन इसकी समय सीमा बढ़ाकर अब संचालनालय ने डेटलाइन अप्रैल 2026 कर दी है। हालांकि इस संबंध में अधिकारियों का कहना है कि बारिश के चलते अभी काम में दिक्कते आ रही है। जैसे ही बारिश खत्म होगी, काम में तेजी आयेगी। वहीं ग्राम कढ़ाई में क्लस्टर बनाए जाने के लिए पहले सितंबर 2025 तक की समय सीमा दी गई थी, जिसे बढ़ाकर अप्रैल 2026 कर दिया गया है।

ठंडे बस्ते में गुड क्लस्टर प्रोजेक्ट

भारत सरकार के एमएसएमई-सीडीपी कार्यक्रम के तहत प्रस्तावित गुड़ क्लस्टर प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में नजर आ रहा है। इस परियोजना के तहत गुड़ उत्पादन इकाइयों के लिए कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर स्थापित होना था, ताकि उत्पादकों को अत्याधुनिक मशीनें, गुणवत्ता नियंत्रण और विपणन सहायता मिल सके। जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग का कहना है कि संचालनालय से अधिकारी निरीक्षण के लिए आए थे। फिलहाल, इस योजना के क्रियान्वयन की कोई स्पष्ट समयसीमा भी तय नहीं है। बताया गया कि गन्ने की अच्छी खेती और गुड़ उत्पादन के बावजूद क्षेत्र के किसानों और छोटे उद्योगों को अब भी तकनीकी सहयोग व विपणन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यदि क्लस्टर बन जाता तो उन्हें बेहतर संसाधन और बाजार प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलती। जानकारों का कहना है कि यदि राज्य सरकार और संचालनालय समयबद्ध रोडमैप बनाकर प्रोजेक्ट को गति दें, तो यह न केवल बैतूल के गुड़ उत्पादकों को राहत देगा, बल्कि स्थानीय रोजगार व औद्योगिक विकास का बड़ा जरिया भी बन सकता है।

इनका कहना है -

ग्राम कढ़ाई में क्लस्टर बनाए जाने के लिए समय सीमा अप्रैल 2026 तय की है। अभी तीन दिन पहले ही निरीक्षण कराया था। जिसमें एप्रोच रोड का काम चल रहा है। इसके अलावा पानी टंकी के लिए भी कार्य शुरू हो गया है। गुड़ क्लस्टर प्रोजेक्ट के लिए टीम आई थी, जिन्हें जमीन का निरीक्षण कराया गया है।

-धीरज मंडलेकर, सहायक संचालक, जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र, बैतूल

तिरला श्री श्री रणथंभौर गणेश मंदिर पर 11 दिवसीय महोत्सव श्री सदगुरुदेव भगवान भक्तों को दर्शन आशीर्वाद देंगे

धार। 7 किलोमीटर की दूरी पर इंदौर अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग ग्राम तिरला स्थित अति प्राचीन मंदिरों में से हैं श्री श्री रणथंभौर गणेशजी का मंदिर है , इस मंदिर में साक्षात श्री रणथंभौर श्री गणेश जी विराजमान है । मान्यता है कि श्री गणेश जी के सामने जो भी अपनी अर्जी लगाता है उनके हर कार्य सिद्ध होते हैं श्री विघ्नहर्ता उनके सारे विघ्न हरते है । 27 अगस्त बुधवार को श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर श्री गणेश महोत्सव का शुभारंभ सुबह 5 बजे मंत्र उच्चारण व श्री अथर्वशीर्ष के साथ श्री रणथंभौर जी गणेश महाराज का अभिषेक किया जाएगा । 11 दिनों तक प्रतिदिन श्री श्री रणथंभौर गणेश जी महाराज का

आकर्षक अद्भुत श्रृंगार किया जाएगा । सुबह 11 बजे श्रृंगार आरती एवं संध्या आरती 7:30 बजे, सुबह 11 बजे हजारों श्रद्धालु की मौजूदगी में परमपूज्य सदगुरुदेव भगवान के द्वारा श्री गणेश जी की महाआरती के पश्चात 12 बजे से श्री सदगुरुदेव

भगवान के दर्शन आशीर्वाद देर रात्रि तक निरंतर होगे । 31 अगस्त रविवार को महाआरती पश्चात राधारानी प्राकट्योत्सव व संध्या 7:30 बजे दीपोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा । 11 दिवसीय महोत्सव के दौरान प्रत्येक दिवस श्रद्धालुओं के लिए भंडारा भोजन प्रसादी का आयोजन रहेगा । अनंत चतुर्दशी को श्री गणेश महोत्सव के समापन के अवसर पर प्रातः अभिषेक के पश्चात को सुबह 9 बजे से श्री गणेश यज्ञ प्रारंभ होगा यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद श्री गणेश जी की महाआरती की जाएगी उसके पश्चात भंडारा महाप्रसादी के साथ महोत्सव का समापन होगा। इस महोत्सव में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान श्री गणेशजी एवं परमपूज्य सदुरुदेव भगवान के दर्शन हेतु 11 दिनों तक धार , आसपास के शहर, गांव, मध्य प्रदेश , महाराष्ट्र गुजरात, राजस्थान व अन्य प्रांतों के अलावा देश-विदेश से भी श्रद्धालु तिरला धाम पहुंचेंगे ।

उत्कृष्ट विद्यालय धार में आयोजित जिला स्तरीय कला उत्सव में संस्कृति के विविध रंग बरसे

धार। 25 अगस्त को जिला स्तरीय कला उत्सव का भव्य आयोजन किया गया । आयोजन में ब्लाक स्तर पर चयनित प्रतिभागियों ने भाग लिया । इस उत्सव में कुल बारह प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जो गायन, वादन, साहित्य, नृत्यकला, दृश्य कला, नाटक आदि से संबंधित थी । उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम की निदेशक उत्कृष्ट विद्यालय धार की प्राचार्य अमिता बाजपेयी ने बताया कि इस आयोजन में चयनित प्रतिभागी संभाग स्तरीय आयोजन में शिरकत करेंगे । कला उत्सव जहाँ भारतीय संस्कृति के अनेक रंगों से सराबोर था वहीं समसामयिक परिदृश्य पर भी उत्कृष्ट प्रस्तुतियां हुई । कार्यक्रम में आदिवासी लोकनृत्य पर सारा सदन तालियों से गूंज उठा वहीं कालबेलिया नृत्य एवं घुमर की भी सुंदर प्रस्तुति हुई । नाटक पर जहां साइबर ठगी एवं वृद्धाश्रम मार्मिक मंचन प्रस्तुत किया गया। कला उत्सव में एकल गायन में बदनावर विकासखंड की छात्रा कु. करुणा सोनिगर, समूह गायन में धरमपुरी विकासखंड की छात्राओं कु. वैष्णवी कुशवाह, कु. अनामिका मोरी, कु. प्रियंका गारी, कु. राधिका पटेल, संगीत वादन ताल वाद्य में बदनावर विकासखंड के अनुराग मकवाना, एकल नृत्य में उमरबन विकासखंड की कु. हरसिद्धि भटौदरा, समूह नृत्य में धरमपुरी विकासखंड के छात्र प्रिंस भिड़े, हर्षदीप ठाकुर, अंशुर निनामा, शरद मकवाने, नाटक में उमरबन विकासखंड से कु. हफ़सा, कु. कृतिका, युवराज ठाकुर, श्लोक शर्मा, दृश्य कला द्विआयामी में उमरबन विकासखंड की कु. रीना कनेल, दृश्य कला त्रिआयामी में धरमपुरी विकासखंड की कुमारी इच्छा एवं पारंपरिक कहानी वाचन में उमरबन विकासखंड से लक्की शर्मा एवं रवीना जमरे का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया । चयनित विद्यार्थियों का दल इंदौर में होने वाली प्रतियोगिता में शिरकत करेगा । निर्णायक की भूमिका निभायी ओ. पी. दया, वर्तिका गहलोत एवं आरती जाट ने । कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन किया कला उत्सव के जिला नोडल अधिकारी एवं राष्ट्रीय ओज कवि यशवंत चौहान ने । आभार प्रदर्शन वंदना सोनोने के द्वारा किया गया ।

प्रकृति के दोहन से आ रही है प्राकृतिक आपदाएं

भारतीय मजदूर संघ ने मनाया पर्यावरण पखवाड़ा

बैतूल/मुलताई। पर्यावरण की रक्षा यदि हम नहीं करेंगे तो प्रकृति भी हमारी रक्षा नहीं करेगी। आज जो बेमौसम बरसात, पूरे विश्व में बाढ़ का आ जाना तथा पहाड़ों का खिसकना यह सब प्रकृति के अंधाधुंध दोहन होने के कारण हो रहा हैं। जब तक हम पर्यावरण का संरक्षण नहीं करेंगे एवं इसकी चिंता हम अमृता देवी विश्नोई जैसी नहीं करेंगे, तब तक यह प्राकृतिक विपदाये आती रहेगी। उक्त बात भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्य समिति सदस्य मधुकर साबले ने मुलताई विद्युत वितरण कंपनी परिसर में भारतीय मजदूर संघ द्वारा बनाए जा रहे पर्यावरण पखवाड़े पर

आयोजित कार्यक्रम में कहे। उन्होंने कहा कि वनो की रक्षा के लिए अमृतादेवी ने अपने परिवार सहित 236 लोगों के प्राणों की आहुति दी थीं, हमारे मन में भी पर्यावरण के प्रति अमृतादेवी जैसा भाव होनी चाहिए। भारतीय मजदूर संघ संपूर्ण बैतूल जिले में पर्यावरण पखवारे के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम चल रहा है। इसी के तहत् आज विद्युत वितरण कंपनी के संभागीय कार्यालय मुलताई ग्रामीण तथा मुलताई शहर वितरण केन्द्र में पौधारोपण रोपण तथा उन्हे पालने का संकल्प लिया गया। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड़, विद्युत कर्मचारी महासंघ के जिला अध्क्षय चंद्रभान पंडाग्रे, मुलताई शाखा के पर्वतराव ठाकरे एवं संतोष गुप्ता ने भी पर्यावरण एवं वृक्षारोपण पर अपने विचार व्यक्त किया। इस कार्यालय में स्थानीय नगरपालिका परिषद् मुलताई द्वारा भी सहायोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुलताई तहसील एवं आमला तहसील के अधिकारी एवं कर्मचारीगण प्रबंधक दीपेन्द्र बरवेकर, सहायक प्रबंधक सूर्यकान्त साकेत एवं अभिषेक पन्द्रे, नत्थूराव जैन, बी. पी. गणेशे, आनंद डोलेकर एवं नगर पालिका से विशाल भारतीय, श्याम सेवतकर आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त ने किया आमला अस्पताल व तहसील कार्यालय का निरीक्षण

बैतूल/आमला। संभागायुक्त के.जी. तिवारी ने सोमवार को जिले के आमला में सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का अवलोकन कर मरीजों के उपचार एवं विश्राम की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के परिजनों से अस्पताल के चिकित्सक एवं स्टाफ के व्यवहार के संबंध में भी बातचीत की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त नर्मदापुरम श्री गणेश जायसवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों के अलावा किसी भी चिकित्सक द्वारा बाहर की दवाइयाँ और इंजेक्शन न लिखा जाएं। इस संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर उन्होंने मेडिकल ऑफिसर डॉ प्रदीप जैन और नर्सिंग ऑफिसर दीपा झरबडे से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल की सभी व्यवस्थाएँ सुदृढ़ रहें, ताकि मरीजों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अस्पताल में दवाइयों के स्टॉक, बच्चा वार्ड अन्य वार्डो का भी भ्रमण किया। इस दौरान एक बच्ची का हीमोग्लोबिन कम पाएं जाने की समस्या पर उसे ब्लड ट्रांसफ्यूजन करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज हुरमाड़े ने बताया कि बच्ची का आज ब्लड ट्रांसफ्यूजन किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने बीएमओ आमला को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत श्री तिवारी ने तहसील कार्यालय आमला का भी निरीक्षण किया और राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की जानकारी ली।

पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

बैतूल। आगामी गणेश उत्सव, डोल ग्यारस एवं अनंत चतुर्दशी (गणेश प्रतिमा विसर्जन) के अवसर पर कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस कंट्रोल रूम बैतूल में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी एवं डीएसपी सैफा हाशमी भी उपस्थित थीं। बैठक में बैतूल नगर के गणेश मंडलों के पदाधिकारी, आयोजन समिति के संचालक, तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक गणेश मंडल अपने मंडल का नाम, पदाधिकारियों की सूची व मोबाइल नंबर संबंधित थाने में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि भंडारा, जागरण या सामूहिक आयोजन हेतु कार्यपालिक मजिस्ट्रेट से अनुमति अनिवार्य होगी। डीजे, लाउडस्पीकर का उपयोग केवल रात 10 बजे तक एवं निर्धारित ध्वनि स्तर पर किया जाए। यातायात व्यवस्था में सहयोग करें, जुलूस के समय यातायात अवरोध न हो इसका ध्यान रखें। 9. भड़काऊ नारे, भाषण या गीत पूर्णतः वर्जित रहेंगे। सभी समुदायों की भावनाओं का सम्मान करें। भीड़ में महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें। चल समारोह/झांकियों में शराब सेवन व धारदार हथियार लेकर चलना प्रतिबंधित रहेगा। बैठक के दौरान एसपी निश्चल एन. झारिया ने आयोजकों एवं नागरिकों से अपील की कि वे पुलिस प्रशासन का सहयोग करते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में मनाएं। उन्होंने कहा कि शहर की शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी घटना या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

नपा आमला ने बिजली कंपनी को दिया तीन दिन का अल्टीमेटम

अगर बिजली कंपनी ने संपत्ति कर अदा नहीं किया तो कोर्ट जाएगी नगरपालिका

बैतूल/आमला। संपत्ति कर अदा नहीं करना और पिछले तीस वर्षों से नगर पालिका आमला को संपत्तिकर का भुगतान करने में आनाकानी करना स्थानीय बिजली कंपनी को महंगा पड़ने वाला है। नगर पालिका बिजली कंपनी की वर्षों से की जा रही नाफरमानी को लेकर बेहद कठोर रुख अपनाने जा रही है। दरअसल साल दर साल जिस तरह से बिजली कंपनी नगर पालिका को संपत्ति कर चुकाने में लापरवाही कर रही थी, उसको लेकर नगर पालिका ने सख्त रुख अपना लिया है। सोमवार को नगर पालिका के राजस्व विभाग ने इस मामले में एक अंतिम सूचना पत्र जारी कर दिया है, जिसमें कहा गया है कि मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी स्थाई निवास वार्ड क्रमांक 10 द्वारा बीते लगभग तीस वर्षों से संपत्ति कर जमा नहीं कर रही है, जो बढक़र अब 15 लाख रुपए से भी ज्यादा का हो गया है। इस दौरान बार-बार और लगातार नगर पालिका द्वारा कंपनी को पत्र आदि के माध्यम से भी आगाह किया जाता रहा है, किंतु कंपनी के जिम्मेदारों ने संपत्तिकर चुकाने के मामले में गंभीरता नहीं रखी, जिससे नगर पालिका को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस मामले में नगर पालिका के राजस्व विभाग के प्रभारी अखिलेश राजनेगी ने बताया है कि कंपनी बीते कई वर्षों से संपत्तिकर अदा नहीं कर रही है हमारे द्वारा बार-बार पत्र व्यवहार भी किया जा रहा है जिसको लेकर सोमवार को एक अंतिम सूचना पत्र कंपनी को जारी कर दिया गया है, उसके बाद न्यायालय जाएंगे।

बिजली कंपनी में हडक़ंप .....

स्थानीय बिजली कंपनी को शायद नगर पालिका के इस सख्त रुख का अंदाजा नहीं था,किंतु नगर पालिका के इस अंतिम सूचना पत्र और कंपनी के कदाआचरण की घोर लापरवाही मानते हुए, नगर पालिका ने जैसे ही कोर्ट जाने का हवाला दिया, कंपनी के अधिकारियों में हडक़ंप की स्थिति बन गई है, जैसा कि हमारे पास जानकारी है कि नगर पालिका के पत्र के बाद कंपनी के अधिकारी अब अपना रिकॉर्ड खंगालने में लग गए हैं।

नपा अधिकारी के दबाव से सुधरेगी अर्थव्यवस्था .....

बीते कई वर्षों में नगर पालिका के जिम्मेदारों की लापरवाही और अनियमित से

नगर पालिका का खजाना लगातार खाली होता रहा, और किसी भी जिम्मेदारों ने इस और कोई ध्यान नहीं दिया, जिससे नगर पालिका की माली हालत बिगड़ती चली गई, और अब हालात यह है, कि कर्मचारियों के वेतन तक के भी लाले पड़े हुए हैं, किंतु जब से नवागत नगर पालिका अधिकारी नितिन बिंजवे ने यहां कार्यभार संभाला है नगर पालिका अधिकारी ने सबसे पहले राजस्व की बेहतरी के लिए यहां पूरे विभाग को अलर्ट मोड पर कर दिया है, इसके सकारात्मक परिणाम भी दिखाई पडऩे लगे हैं।

इनका कहना है -

संपत्तिकर के मामले में नपा द्वारा विधिवत कंपनी को पत्राचार नहीं किया जाता है। कंपनी तो हर साल संपत्ति कर चुकाने को तैयार है, नगर पालिका की नैतिक जिम्मेदारी है कि समय-समय पर पत्र आदि के माध्यम से कंपनी को संपत्ति कर की मांग करें। पूरे मामले में हमने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दे दी है, राशि के उपलब्ध होते हैं नगर पालिका का पूरा संपत्तिकर अदा कर दिया जाएगा।

- विलासराव उईके, कनिष्ठ अभियंता, मप्र विद्युत वितरण कंपनी आमला

दस लाख से ज्यादा बिजली बिल अदा कर रही नपा .....

एक और जहां बिजली कंपनी बीते तीस वर्षों से नगर पालिका प्रशासन को संपत्ति कर अदा नहीं कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर नगर पालिका प्रशासन प्रतिमाह बिजली विभाग को स्ट्रीट लाइट, कार्यालय का बिजली बिल और सभी संचालित बोरवेल का 10 से 12 लाख रुपए बिजली बिल अदा कर रही है।

पर्यावरण सम्बंधी अधिनियम, नियम, प्रदूषण के प्रभाव एवं पर्यावरण क्षरण के सम्बंध में कार्यशाला आयोजित

मानव सभ्यता की सुरक्षा के लिए पर्यावरण संरक्षण ही एकमात्र विकल्प है : प्रधान जिला न्यायाधीश श्री आर्य

सीहोर (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा पर्यावरण सम्बंधी अधिनियम, नियम, प्रदूषण के प्रभाव एवं पर्यावरण क्षरण के सम्बंध में एडीआर भवन के सभाकक्ष में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पंच-तत्वों का संतुलन आवश्यक है, जिसमें जीवन जीने के तरीके में सुधार करना भी आवश्यक है।

यदि हम मानव सभ्यता को जीवित रखना चाहते है तो पर्यावरण संरक्षण ही एकमात्र विकल्प है। हमें वृक्षारोपण, जल संरक्षण, वायु शुद्धता के लिए निरंतर कार्य करना होगा, इसके साथ ही प्रदूषण उत्पन्न करने वाले कारकों एवं गतिविधियों पर प्रतिबंध भी लगाना होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य सभी हितधारकों एवं संबंधित विभागों को एक मंच पर लाना है एवं समस्याओं पर चर्चा कर समाधान खोजने का प्रयास करना है। यह जन जागरूकता का एक ऐसा साधन है जिससे हम सभी को जागरूक कर पर्यावरण प्रदूषण के कारण आने वाले भयावह खतरे से बच सकते है। कार्यशाला में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई द्वारा पर्यावरण संरक्षण सम्बंधी कानूनों पर विस्तार से जानकारी दी गई एवं कानून बनाये जाने की पृष्ठभूमि के बारे में भी बताया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं कार्यशाला के विषय में जानकारी दी एवं प्रतिभागियों से चर्चा कर उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

कार्यशाला में सेवानिवृत्त डायरेक्टर पर्यावरण श्री पीके त्रिवेदी द्वारा पीपीटी के माध्यम से पर्यावरण सम्बंधी अधिनियम, नियम, प्रदूषण के प्रभाव एवं पर्यावरण क्षरण के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण के सम्बंध में पीपीटी एवं स्लाइड शो के माध्यम से म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर द्वारा संचालित गतिविधियों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में कु. एकता सेन द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर कविता एवं आर्यावर्त विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्य श्री सोमेश गुप्ता एवं विधि छात्रा द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर अपने उद्बोधन दिये गये। कार्यशाला में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किये गये।

यह थे उपस्थित

कार्यशाला में विशेष न्यायाधीश श्री हेमंत जोशी, जिला न्यायाधीश श्री संजय गोयल, जिला न्यायाधीश श्रीमती स्मृतासिंह ठाकुर, जिला न्यायाधीश श्री एमके वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती विनीता गुप्ता, न्यायाधीश श्री दीपेन्द्र मालू एवं अन्य न्यायिक अधिकारीगण, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय अधिकारी श्री बृजेश शर्मा, अभिभाषक संघ अध्यक्ष श्री राधेश्याम यादव, उपाध्यक्ष श्री सचिन तिवारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, सिविल सर्जन डॉ प्रवीर गुप्ता, जिला व्यापार उद्योग केंद्र महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, यातायात प्रभारी श्री बृजमोहन धाकड़, पैरालीगल वालेन्टियर्स, लीगल एड डिफेंस काउंसिल्स श्री राजेन्द्र कुशवाह, श्री आसिफ खान, कुमारी एकता सेन, श्रीमती संयोगिता सोलंकी, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत, नगरपालिका के प्रतिनिधि, आर्यावर्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक, पत्रकारगण, एनजीओ के प्रतिनिधिगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विधायक श्री पटवा ने नागरिकों को गौ सुरक्षा की दिलाई शपथ

रायसेन (निप्र)। सड़कों पर गौवंश की दुर्घटना की रोकथाम हेतु जनजागरूकता के लिए भोजपुर विधायक श्री सुरेंद्र पटवा द्वारा शुक्रवार को भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग मंडीदीप से बाड़ी तक जनप्रतिनिधियों एवं सरकारी अमले के साथ जनजागरण यात्रा और भ्रमण किया गया। विधायक श्री पटवा ने यात्रा सह भ्रमण के दौरान 20 से अधिक स्थलों पर नागरिकों को संबोधित कर गौवंश की सुरक्षा हेतु सड़क मार्ग पर बैठने वाले गौवंश को नजदीकी गौशालाओं में छोड़ने के संबंध में संबोधित किया तथा गौ सुरक्षा की शपथ भी दिलाई। साथ ही गौवंश के गले और सींगों पर रेडियम पट्टी भी बांधी गई।

जिला पंचायत सीईओ ने की पीएमएफएमई योजना की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन की अध्यक्षता में (पीएमएफएमई) योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने उद्यानिकी विभाग की लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एक माह के भीतर पीएमएफएमई योजना के तहत 125 यूनिट स्थापना के लिए नवीन प्रकरण स्वीकृत कराए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सप्ताह में प्रति बुधवार को गूगल मीट के माध्यम से डीआरपी, विकासखण्ड अधिकारी एवं बैंकर्स से समीक्षा की जाए तथा बैंकों द्वारा निरस्त किए गए प्रकरणों पर वन-टू-वन चर्चा की जाए। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द शत-प्रतिशत विभागीय लक्ष्यों को पूर्ण किया जाए। बैठक मे सहायक संचालक उद्यान श्री जगदीश सिंह मुझाल्दा एवं सभी विकासखंड अधिकारी, कर्मचारी, जिला रिसोर्स पर्सन एवं सफल उद्यमी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बड़ियाखेड़ी स्थित 05 एमएसएमई इकाइयों तथा खोखरी स्थित एक औद्योगिक इकाई का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने सीहोर के बढ़ियाखेड़ी स्थित 05 एमएसएमई औद्योगिक ईकाइयों एवं ग्राम खोखरी स्थित दीपक फास्टनर्स ईकाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इन इकाइयों में चल रही उत्पादन प्रक्रिया एवं निर्मित उत्पादों की प्रक्रिया को समझा और इकाई प्रतिनिधियों से इकाई के कार्यो, श्रमिकों की जानकरी एवं उद्योग संचालन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने उद्योग संचालन में आ रही समस्याओं के सम्बन्ध में उद्योगपतियों से चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। बड़ियाखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमएसएमई इकाइयों के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विभिन्न उद्योगों का निरीक्षण किया एवं उद्योगपतियों से चर्चा की। उन्होंने मेसर्स जगदम्बे पाइप एंटरप्राइजेज, मेसर्स उपाध्याय मसाला, मेसर्स युवन कॉर्पोरेशन, मेसर्स भुवन इंडस्ट्रीज और मेसर्स ओम बचावर इंडस्ट्रीज (ओम थर्माकोल) का भ्रमण किया। खोखरी स्थित दीपक फास्टनर्स इकाई के निरीक्षण दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. को इकाई के संचालक श्री कार्तिकेयन जयपाल ने इकाई की उत्पादन प्रक्रिया एवं निर्मित उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही इकाई द्वारा किए जाने वाले नवाचार आईटीआई में इकाई से संबंधित ट्रेड के प्रशिक्षण शुरू करने के संबंध में भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उद्योगपतियों के प्रयासों की सराहना की और गुणवत्ता तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान जिला व्यापर एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा एवं एमपीआईडीसी के प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्तिथ थे।

अंनतिम मेरिट सूची केन्द्रवार जारी, दावा आपत्ति आमंत्रित

विदिशा (निप्र)। जिला विदिशा जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजनाओं अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु जारी विज्ञप्ति के अंतर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों का परीक्षण विकासखण्ड स्तरीय समिति द्वारा किया गया। परीक्षण उपरांत पात्रध्अपात्र आवेदिकाओं की अंतरिम मेरिट सूची केन्द्रवार चयन पोर्टल पर प्रकाशित कर दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि जारी सूची के विरुद्ध इच्छुक आवेदिकाएं प्रकाशन तिथि से सात दिवस के भीतर सीएससीध्एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन दावा-आपत्ति दर्ज करा सकती हैं। परियोजनावार दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथियां इस प्रकार हैं नटेरन परियोजना की 25 अगस्त तक तथा लटेरी एवं कुरवाई परियोजना अंतर्गत दावे आपत्तियादृ26 अगस्त तक स्वीकार की जायेगी।

प्रभारी स्टोर कीपर को औषधि मित्र मोबाइल एप्लीकेशन एपी औषधि का दिया प्रशिक्षण

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बैतूल के सभाकक्ष में शनिवार को समस्त प्रभारी स्टोर कीपर का एक दिवसीय औषधि मित्र मोबाइल एप्लीकेशन एपी औषधि का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ जगदीश घोरे ने बताया कि औषधि मित्र एक मोबाइल एप्लीकेशन है इस एप को डाउनलोड करके औषधि का इंडेन, दवाइयों की उपलब्धता एक्सपायरी तिथि देख सकते हैं एवं दवाइयों की मांग की जा सकती है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार ने कहा कि इस एप का उपयोग करके हम आवश्यकतानुसार दवाइयां प्राप्त कर सकते हैं। एमपी औषधि एप एप्लीकेशन का विस्तार करता है जिससे उपयोगकर्ता विभिन्न गोदामों में स्टाक, ईडीएल सूची देख सकते हैं। औषधि मित्र मोबाइल एप्लीकेशन का प्रशिक्षण जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जिला टीकाकरण अधिकारी, डीपीएम, उप जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी, सीपीएचसी सलाहकार, एपीएम सहित जिला स्तरीय स्टोर कीपर एवं विकासखंड स्तरीय स्टोर कीपर मौजूद रहे।

आकांक्षा हॉट मेला का शुभारंभ हुआ

विदिशा (निप्र)। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा आकांक्षी जिला विदिशा अंतर्गत आकांक्षा हाट का आयोजन किया गया है आकांक्षा हाट मेला का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा फीते की गांठ खोलकर किया गया है। आज विदिशा के ऑडिटोरियम भवन में आयोजित पुस्तक मेला कार्यक्रम में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, माखनलाल चतुर्वेदी के कुलपति श्री विजय मनोहर तिवारी, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता , अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन, के द्वारा किया गया। नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत विगत वर्ष 24 जुलाई 2025 से 24 सितंबर 2025 तक चलाए गए संपूर्णता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारी कर्मियों जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। इसके उपलक्ष्य में जिला प्रशासन विदिशा द्वारा 25 अगस्त 2025 को

आकांक्षी नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला एवं प्रखंडों में 24 जुलाई 2025 से 24 सितंबर 2025 तक संपूर्णता अभियान चलाया गया था। इस अभियान में विभागवार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स, अधिकारीगण और जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में, 25 अगस्त 2025 को चयनित अधिकारियों व कर्मियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह के पूर्व, आज 23 अगस्त 2025 को रवींद्रनाथ टैगोर ऑडिटोरियम परिसर में ष्आकांक्षा हाटष् का आयोजन किया गया। इस हाट में महिला स्व-सहायता समूहों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), जनजातीय विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी, आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उद्योग विभाग, शिक्षा विभाग, आईटीआई, एवं अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए।

सनरेज़ हा. से. स्कूल हरदा में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को सनरेज हायर सेकण्ड्री स्कूल हरदा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीश एवं सचिव श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि इस विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन बच्चों के अधिकारों के बारे में लोगों को शिक्षित करना और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल यौन शोषण बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए किया गया है। उन्होने बताया कि बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना के तहत पॉक्सो एक्ट, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना, की जानकारी उपस्थितजनों को दी। उन्होने बताया कि नालसा ''डॉन'' स्कीम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा नशा उन्मूलन हेतु शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य, विशेष रूप से युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूध्द जागरूकता बढ़ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। उनके द्वारा नालसा नशा पीड़ितो को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाऐं योजना के उपबंधों की जानकारी दी। उन्होने बताया कि आमजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर अथवा पत्र के माध्यम से, नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर अथवा 15100 पर कॉल कर विधिक सहायता आसानी से प्राप्त की जा सकती है। कानूनी मामलों में विविध सलाह एवं परामर्श विधिक परामर्श केन्द्र से पूर्णतः निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है।

नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

सीहोर (निप्र)। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। पुनरीक्षण 1 जनवरी 2025 की संदर्भ तारीख के आधार पर किया जाएगा। जिन नगरीय निकायों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य उप निर्वाचन वर्ष 2025 पूर्वार्ध के लिये किया जा चुका है, उनके लिये यह लागू नहीं होगा। फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 13 नवम्बर 2025 को होगा। रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति तथा जिला स्तरीय प्रशिक्षण 25 अगस्त तक किया जाएगा। फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का नगर पालिका वार्ड और अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 8 अक्टूबर 2025 को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में 8 से 17 अक्टूबर तक दावे-आपत्ति लिये जाएंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 27 अक्टूबर तक किया जाएगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का नगर पालिका वार्ड तथा अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 13 नवम्बर 2025 को किया जाएगा।

जिले में 2611 बच्चों का नेत्र परीक्षण कर 421 बच्चों को चश्में के नम्बर प्रदान किये

हरदा (निप्र)। जिले में अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों का नेत्र परीक्षण कार्यक्रम 1 से 22 अगस्त तक चलाया गया। कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा बच्चों का दृष्टि परीक्षण कर दृष्टि दोष से पीड़ित बच्चों को चिन्हांकित कर स्वास्थ्य केन्द्रों में ला कर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया तथा स्वास्थ्य केन्द्र पर नेत्र सहायक के द्वारा बच्चों के चश्में के नम्बर प्रदाय किये गये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि इस दौरान जिले के 54 स्कूलों के 2611 बच्चों का नेत्र परीक्षण कर 421 बच्चों को चश्में के नम्बर प्रदाय किये गये। कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंडिया में 18 स्कूलों के 871 बच्चो का नेत्र परीक्षण कर दृष्टि दोष के 126 बच्चों को चश्में के नम्बर प्रदाय किये गये। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खिरकिया में 17 स्कूलों के 765 बच्चों का नेत्र परीक्षण कर दृष्टि दोष पीडित 150 बच्चों को चश्में के नम्बर प्रदाय किये गये। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र टिमरनी में 19 स्कूलों के 975 बच्चों का नेत्र परीक्षण कर दृष्टि दोष पीड़ित 145 बच्चों को चश्में के नम्बर प्रदाय किये गये। डॉ. सिंह ने बताया कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी बच्चों को निःशुल्क चश्में उपलब्ध कराये जायेंगे। डॉ. सिंह ने बताया कि एनएचएम के नये निर्देषानुसार आगामी दिवसो में नेत्र सहायको के द्वारा अपने अपने क्षेत्र के सभी स्कूलो में जा कर नेत्र परीक्षण किया जावेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विद्युत कंपनियों के चयनित 1050 कर्मचारियों को देंगे नियुक्ति-पत्र

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों में नियुक्तियां की जा रही हैं। ऊर्जा विभाग अंतर्गत भी विभिन्न बिजली कंपनियों में परीक्षा के बाद कर्मचारियों को चयनित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चयनित 1050 कर्मचारियों को रवीन्द्र भवन में 26 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में नियुक्त-पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान बिजली कंपनियों के लिए नवीन संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रदर्शन भी किया जायेगा।

जिला प्रशासन व नेशनल बुक न्यास के संयुक्त तत्वावधान में पुस्तक मेला आयोजित

विदिशा (निप्र)। जिला प्रशासन और नेशनल बुक न्यास, भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुस्तक मेला का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया है। विदिशा के रविंद्र नाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम में आयोजित पुस्तक मेला के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी ने पुस्तक मेला को अतिमहत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बेहतर जिन्दगी के लिए बेहतर रास्ता बताने का काम किताबे करती है। उन्होंने परम्परा और संस्कृति को समावेश करने वाली किताबो, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और किताबो को घर की आत्मा बताते हुए कहा कि अध्ययन से हम जीवन की असली यात्रा की ओर आगे बढ सकते है। उन्होंने विदिशा जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए किताबो के प्रति रूझान कैसे बढा की जानकारियां सांझा की है। उन्होंने कहा कि लिखने पढने की सीख उन्हें अपनी मां से मिली है। कार्यक्रम को श्रीमती साधना ने भी सम्बोधित किया। विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने कहा कि सम्पूर्ण दुनिया को किताबो की मदद से जाना जा सकता है।

संस्कृति, इतिहास हरेक परिस्थितियों को किताबे समावेश करती है। उन्होंने आने वाली पीढी के लिए किताबो की महत्वता को रेखांकित करते हुए कहा कि ज्ञान ही निरंतर बढता है। पुस्तको का ज्ञान कभी व्यर्थ नही जाता। अध्ययन कर हम गौरव पूर्ण इतिहास को स्थातिप कर सकते है। उन्होंने पुस्तक मेला आयोजको के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विदिशा जिले में इस प्रकार का आयोजन अपने आप स्वर्णिम अवसर को प्रतिपादित कर रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने कहा कि अध्ययन से ज्ञान बढता है। पुस्तके वैचारिक बदलाव की केन्द्र बिन्दु है। अध्ययन से हम तथ्यात्मक तर्कपूर्ण सत्य की प्राप्ति कर सकते है। उन्होंने किताबो को जीवन का अभिन्न अंग बताया। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने पुस्तक मेला की महत्वता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अनेक प्रकार की किताबे हमें एक ही स्थल पर सुगमता से क्रय करने का अवसर मिलता है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने पुस्तक मेला के शुभारंभ को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी का ध्यान किताबो की ओर बढे। आने वाले दो तीन वर्षो में सोशल मीडिया के क्षेत्र में होने वाले नवाचारो को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किताबो से जो ज्ञान प्राप्त होता है। वह स्थायी और सत्यता का प्रतीक है। उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट के द्वारा विदिशा में पुस्तक मेला आयोजित करने के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पुस्तक मेला में पाठको की आवश्यकता व अभिरूचि के अनुसार उच्च क्वालिटी लेखनी की किताबे सुगमता से प्राप्त हो रही है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले के सभी प्रबुद्ध नागरिको से आव्हान किया है कि पुस्तक मेला के इस अवसर का अधिक से अधिक दोहन करें और मन माफिक लेखक की किताबे सुगमता से क्रय करें। रविन्द्रनाथ टेगौर सांस्कृतिक भवन आडिटोरियम परिसर में आयोजित पुस्तक मेला में साहित्य और पठन संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुस्तक मेले का आयोजन किया गया।

राइट क्लिक

करूणा के आईने में आवारा कुत्तों के साथ निरीह इंसानों को भी देखें...!

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

भारत भर के 6 करोड़ से ज्यादा आवारा कुत्तों के बारे में हाल में सुप्रीम कोर्ट ने जो ताजा फैसला सुनाया है, उस पर नई नैतिक बहस छिड़ गई है। पशु प्रेमियों का मानना है कि कोर्ट का निर्णय आवारा कुत्तों के हित में और करूणा से प्रेरित है, जबकि इससे नाखुश लोगों का मानना है कि कुत्तों से प्रेम अपनी जगह है, लेकिन नैतिक और जैविक दृष्टि से कुत्तों की तुलना में मानव जीवन को बचाना और उसकी सुरक्षा उससे ज्यादा जरूरी है। बावजूद इसके कि कुत्तों की मानव जीवन में अलग अहमियत है, जो भौतिक सुरक्षा, नैतिक वफादारी और विश्वसनीयता के सकारात्मक भाव से लेकर इंसानों की जान लेने तक फैली है। कुत्तों के स्वभाव और आचरण ने कई मुहावरों को जन्म दिया है, जैसे कि 'मालिक का कुत्ता बनने', 'कुत्ते की मौत मरने', 'कुत्ते की तरह भौंकने', कुत्ते की माफिक दुम हिलाने और 'कुत्ते की तरह सूंघने और कान खड़े होना' आदि। आदमी कुत्तों की खूबियों का इस्तेमाल करता है और कुत्ता इंसान की कमजोरियों को पहचान लेता है। वफादारी निभाने के लिए वह मनुष्य के साथ स्वर्ग तक भी जा सकता है। पालतू हो तो वह दोस्त है और आवारा हो तो अनचाहा दुश्मन भी है। रखवाला भी है और हत्यारा भी है। पुराणों में वह भगवान भैरोनाथ का वाहन है तो भगवान दत्तात्रय सदा चार कुत्तों से घिरे रहते हैं, जो चार वेदों का प्रतीक हैं। संक्षेप में कहें तो कुत्ता संज्ञा भी है, उपमा भी है और विशेषण भी है। एक अंग्रेजी कहावत है कि 'आवारा कुत्ते दिल से घुमक्कड़ होते हैं पसंद से योद्धा। या फिर 'वो अनचाहे सफर में जीवित रहने की कला के प्रतीक हैं।'

यह सही है कि मानव सभ्यता और कुत्तों का साथ हजारों साल पुराना है। मानव सभ्यता के विकास के साथ-साथ कुत्तों का सफर भी जारी है। कुत्ता पालना अमीरी का लक्षण है तो आवारा कुत्तों को भी दुत्कारना गरीबी की पहचान है। भारत दुनिया की सबसे ज्यादा जनसंख्या। का देश होने के साथ-साथ विश्व में सर्वाधिक आवारा कुत्तों का भी देश है। लेकिन यहां असल मुद्दा आवारा कुत्तों के प्रति मानवीय संवेदना तक सीमित न होगा कुत्ते का कुत्ता न रहकर हिंसक होकर इंसानों को काटने और उससे होने वाली असमय और अकारण मौतों का भी है। भारत में पिछले वर्ष कुत्ता काटे के 37 लाख से ज्यादा मामले हुए। जिनमे आधिकारिक तौर पर 54 लोगों की जानें गईं। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में कुत्ता काटे से हर साल 15 से 20 हजार तक लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं, जिनमें ज्यादातर 15 साल और उसके कम उम्र के बच्चे होते हैं। इनमें से कई की मौत तो कुत्तों से भी बदतर होती है। ये मौतें ज्यादातर उन आवारा कुत्तों के काटने से होती हैं, जिन पर किसी का नियंत्रण नहीं होता, जो अक्सर झुंड में रहते हैं। जो गली- मोहल्लों के स्वघोषित रखवाले होते हैं और कई बार अनजान व्यक्ति को देख, दुत्कार के प्रतिकार अथवा भूख के दबाव में भी मनुष्यों को काट लेते हैं। यूं कुत्ता काटे से होने वाले भयंकर रेबीज रोग का इलाज इंजेक्शन से होता है। सही वक्त पर इलाज हो जाए तो ठीक वरना रेबीज का मारा अगर जीवित रह भी जाए तो उसकी जिंदगी पागल कुत्ते से बदतर हो जाती है।

बहरहाल, देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा हाल में दिए गए निर्णय में जस्टिस विक्रमनाथ की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि दिल्ली में शेल्टर होम से सभी कुत्तों को छोड़ा जाए। लेकिन हिंसक और बीमार कुत्ते शेल्टर होम में ही रहेंगे। कोर्ट ने आदेश में कहा कि इन कुत्तों को नसबंदी के बाद छोड़ा जाए। साथ ही हर कम्युनिसिपल ब्लॉक में आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए अलग से जगह बनाई जाए। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कुत्तों को खाना न खिलाएं। कोई ऐसा करे तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कुत्तों को जहां से उठाया गया है, उन्हें उसी स्थान पर रिलोकेट किया जाए। कुत्तों की नसबंदी, कृमिनाशक और टीकाकरण तथा उनकी देखभाल के लिए पर्याप्त कर्मचारी होने चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि हिरासत में लिए गए कुत्तों को वापस सड़कों पर नहीं छोड़ा जा सकता। श्वान आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाए ताकि कुत्तों को हिरासत में रखा जा सके। कोर्ट ने कहा कि ये आदेश दिल्ली समेत पूरे देश में लागू होगा। साथ ही याचिका में शामिल व्यक्ति 25 हजार और एनजीओ 2 लाख रुपए कोर्ट में जमा कराएं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राष्ट्रीय नीति बनाने को भी कहा।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की दो जजों की बेंच द्वारा पूर्व में 11 अगस्त को दिए गए फैसले पर रोक लगा दी। दरसअल सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस पारदीवाला और महादेवन की खंडपीठ ने विगत 28 जुलाई को एक अंग्रेजी दैनिक में छपी खबर का स्वतः संज्ञान लेते हुए आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने का फैसला सुनाया था। कोर्ट ने इस पर अमल के लिए तत्काल डॉग शेल्टर होम बनाने के लिए कहा था। इस पीठ ने आवारा कुत्तों के पुनर्वास का विरोध करने वाले पशु अधिकार कार्यकर्ताओं को भी आड़े हाथों लेते हुए सवाल किया कि क्या वे कुत्तों के काटने और रेबीज़ से खोई हुई जानें वापस ला सकते हैं? इससे पशु और खास कर कुत्ता प्रेमियों में गहरी नाराजी फैली। उन्होंने इस प्राणियों के प्रति क्रूरता से जोड़ कर देखा। बात सीजेआई जस्टिस बी. आर. गवई तक पहुंची। सीजेआई ने निर्णय पर पुनर्विचार के लिए मामला 3 सदस्यीय पीठ को सौंपा। लोगों ने कुछ व्यावहारिक सवाल भी उठाए कि दिल्ली के 3 लाख आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में कैसे और कहां रखा जाएगा। उनकी कौन देखभाल करेगा? यह कुत्तों के प्रति अन्याय है। परोक्ष रूप से यह बात भी उठी कि अगर गली के कुत्ते आवारा हैं तो इसमें उनका क्या दोष? हालांकि ये लोग आवारा कुत्तों के काटे जाने से हुई इंसानों की मौत पर खामोश ही रहे। विडंबना यह है कि एक आवारा कुत्ते की मौत और उसके उत्पीड़न पर संवेदना व्यक्त करने वाले कुत्ते काटे से किसी मनुष्य की असमय होने वाली मौत पर मातम पुरसी के लिए भी गए हों, ऐसा सुनने में नहीं आया। इस अर्थ में आवारा कुत्तों को बचाने की लड़ाई में भले इंसान साथ हों, लेकिन कुत्ते की मौत मरने वाले आदमी के साथ कोई कुत्ता प्रेमी शायद ही खड़ा दिखता है। कुत्ता काटे से असमय मरने वालों के परिजनों पर क्या बीतती है, यह शायद ही कोई सोचता है। इस पर भी गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के नवीनतम फैसले पर राजनेताओं की राय भी बंटी दिखी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोर्ट के संशोधित निर्देशों का स्वागत करते हुए कहा कि यह पशु कल्याण और जन सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। यह दृष्टिकोण न केवल दयालु है, बल्कि वैज्ञानिक तर्क पर आधारित भी है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी का सवाल था कि कोर्ट ने खूंखार कुत्तों की पहचान नहीं बताई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने फैसले का स्वागत किया, जबकि उन्ही की पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय गोयल ने कहा कि यह आदेश अव्यावहारिक है। इससे तो दिल्ली अंततः 'कुत्तों का शहर' बन जाएगा।

इस पूरे प्रकरण में असल मुद्दा आवारा कुत्तों की संख्या पर अंकुश और मनुष्यों के प्रति उन्हें आक्रामक होने से रोकने का है। कोर्ट ने सभी आवारा कुत्तों की नसबंदी की बात कही है, ताकि उनके प्रजनन पर लगाम लगाई जा सके। लेकिन लाखों कुत्तों की नसबंदी आसान काम नहीं है। नसबंदी की आड़ में होने वाला पैसों का खेला एक अलग कथा है। फिर यह हिसाब रखना भी कठिन है कि कितने कुत्तों की नसंबदी हो चुकी और उसके बाद भी कितनी कुतियाएं चमत्कारिक ढंग से प्रसवित हो गईं। वैसे भी अन्य जंगली जानवरों की तरह कुत्तों के सहवास का कोई निश्चित समय नहीं होता। इसलिए उनकी आबादी इंसानों की तरह बेखटके बढ़ती रहती है। यूं देश में एनीमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कानून 2023 से लागू है, लेकिन व्यवहार में वो कहीं दिखाई नहीं देता। इसे लागू करने के लिए स्थानीय निकायों के पास सक्षम तंत्र होना चाहिए, जिसका आम तौर पर अभाव है। और यह सब करने के लिए काफी पैसा भी चाहिए। साथ ही खूंखार कुत्तों को शेल्टर होम में रखना भी आसान नहीं है।

हकीकत तो यह है कि नसबंदी छोड़िए, नगरीय निकायों के अप्रशिक्षित कर्मचारी जब शहर में आवारा कुत्तों को पकड़ने जाते हैं, तो कुत्तों को पहले ही इसका एहसास हो जाता है और वो गाड़ी लौटने तक पतली गलियों में जाकर दुबक जाते हैं, जैसे कि आरटीओ की आकस्मिक चेकिंग की खबर बस-टैक्सी वालों को पहले ही लग जाती है। एक निर्दय तर्क यह भी है कि कुत्तों की आबादी पर काबू के लिए उन्हें दूर जंगलों में ले जाकर मार दिया जाए। लेकिन इससे बहुत कम लोग सहमत होंगे। यूपी के हरदोई से भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने समूची न्याय व्यवस्था पर ही सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि आवारा कुत्तों को तो 10 दिन में न्याय मिल गया, लेकिन उन बेचारे मनुष्यों का क्या जो सालों अदालतों के चक्कर काटते रहते हैं, फिर भी इंसाफ शायद ही मिलता है। जय भैरवनाथ। अलबत्ता न्यायालय की इस राय से शायद ही कोई असहमत होगा कि सभी जीवों के प्रति करुणा एक संवैधानिक मूल्य है और अधिकारियों का यह दायित्व है कि वे इसे बनाए रखें। लेकिन यह मूल्य मनुष्यों पर भी उतना ही लागू होता है, यह नहीं भूलना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव विद्युत कंपनियों के 1060 कर्मचारियों को देंगे नियुक्ति-पत्र

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 अगस्त को दोपहर 12 बजे रवीन्द्र भवन भोपाल में विद्युत कंपनियों के नवनियुक्त 1060 कार्मिकों को नियुक्त-पत्र वितरित करेंगे। कार्यक्रम में बिजली कंपनियों के लिए नवीन संगठनात्मक संरचना के तहत 51 हजार 711 नये स्थाई पदों की स्वीकृति के लिये मुख्यमंत्री का अभिनंदन भी किया जायेगा। ऊर्जा विभाग की विभिन्न बिजली कंपनियों में रिक्त पदों की परीक्षा के बाद कर्मचारियों का चयन किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार को मंत्रालय में 26 अगस्त के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अधिकारियों को सभी तैयारियां समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने कार्यक्रम आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।